Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 216
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,06 मार्च 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 डीसीएम की टक्कर से अधेड़ की मौत | 4 क्या आपके बच्चे की नाक से भी बार-बार खून | 7 अनीत पड्डा से लेकर सारा अर्जुन तक..डेब्यू

गाजियाबाद में आरएसएस की समन्वय बैठक में शामिल हुए सीएम

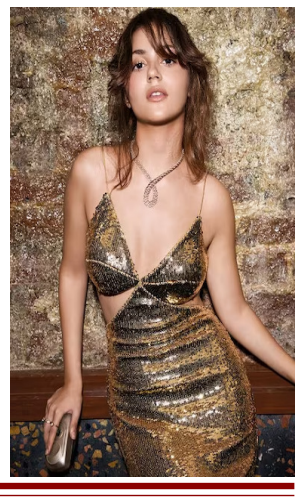

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजियाबाद पहुंचे और नेहरू नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की महत्वपूर्ण समन्वय बैठक में शामिल हुए। बैठक में सीएम योगी ने संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और करीब 3 घंटे तक मौजूद रहे। सिटी मजिस्ट्रेट संतोष उपाध्याय के अनुसार, मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सुबह 11.45 बजे शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर गहन मंथन किया सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली ऐसी समन्वय बैठकों की शुरूआत है, जिसकी पहली कड़ी गाजियाबाद से शुरू की गई है। बैठक के बाद सीएम योगी पुलिस लाइन पहुंचे और वहां से नोएडा के लिए रवाना हो गए। खास बात यह रही कि बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह या कोई अन्य प्रमुख भाजपा पदाधिकारी मौजूद नहीं रहे। गाजियाबाद जिले के कोई जनप्रतिनिधि भी बैठक के अंदर शामिल नहीं हुए। हालांकि, डीएम, पुलिस कमिश्नर, नगर आयुक्त, सीडीओ, जीडीए वीसी जैसे प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे, लेकिन वे भी बैठक कक्ष के अंदर नहीं गए। यह बैठक आरएसएस और सरकार के बीच बेहतर तालमेल, संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनौतियों पर फोकस वाली मानी जा रही है।

होली के दिन मारपीट, आक्रोशित व्यापारियों ने बाजार किया बंद

एसडीएम कार्यालय पहुंचे

श्रीनगर गढ़वाल (एजेंसी)। होली के दिन कीर्तिनगर नगर क्षेत्र में विवाद हो गया। कुछ युवकों और व्यापारियों में मारपीट हो गई। आज घटना के विरोध में व्यापारियों ने बाजार बंद किया है। कीर्तिनगर नगर क्षेत्र में होली के दिन हुए मारपीट की घटना के बाद आज स्थानीय लोगों, व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर कार्यालय व कोतवाली कीर्तिनगर का घेराव किया। इस दौरान व्यापारियों ने दोषियों पर कार्रवाई की करने की मांग उठाई। व्यापारियों का आरोप है कि होली के दिन कीर्तिनगर बाजार चेक पोस्ट के समीप कीर्तिनगर नैथाना के कुछ युवकों ने व्यापारियों के साथ अभद्रता की जिसके बाद कहासुनी मारपीट में बदल गया। इस दौरान एक व्यापारी के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। वहीं दो घायल हैं। गुरुवार को व्यापारियों ने बाजार बंद रखा और एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, नगर में सीसीटीवी कैमरों की नियमित संचालन, ओवर स्पीड समेत होली के दिन हुई मारपीट के दोषियों पर पुलिस कार्रवाई की मांग की।

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सीट के लिए लक्ष्मी वर्मा का नामांकन

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की रिक्त सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार लक्ष्मी वर्मा ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव और वरिष्ठ विधायक धरम लाल कौशिक प्रस्तावक के रूप में उपस्थित रहे। नामांकन प्रक्रिया के दौरान विधानसभा परिसर में पार्टी कार्यकताओं और नेताओं की सक्रिय मौजूदगी देखने को मिली। लक्ष्मी वर्मा के पहुंचने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसे पार्टी की एकजुटता और संगठनात्मक ताकत के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ से राज्यसभा में पांच सदस्य प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनमें फूलो देवी नेताम और केटीएस तुलसी का कार्यकाल नौ अप्रैल को समाप्त हो रहा है। वहीं राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन का कार्यकाल 29 जून 2028 तक जारी रहेगा। भाजपा के देवेन्द्र प्रताप सिंह का कार्यकाल दो अप्रैल 2030 तक निर्धारित है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है और नामांकन के साथ ही चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से रफ्तार पकड़ चुकी है।

एनसीआर में 6 मार्च से बढ़ेगा रात का तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। मौसम विभाग के ताजा पूवार्नुमान के अनुसार 6 मार्च से दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे रातें भी पहले की तुलना में अधिक गर्म महसूस होंगी। मौसम विभाग के अनुसार 6 और 7 मार्च को आसमान मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है। इन दिनों मौसम में किसी बड़े बदलाव या खराब मौसम की चेतावनी नहीं दी गई है। राजधानी में अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार वातावरण में नमी का स्तर 40 से 80 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

राज्यसभा चुनाव, सीएम नीतीश कुमार ने किया नामांकन

अमित शाह समेत एनडीए के कई नेता रहे मौजूद

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बृहस्पतिवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वर्ष 2005 से रिकॉर्ड 10 बार मुख्यमंत्री रहे कुमार और नबीन ने बिहार विधानसभा की सचिव ख्याति सिंह के कक्ष में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर अमित शाह के अलावा दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा तथा राज्य सरकार के कई अन्य मंत्री भी मौजूद थे। इससे पहले दिन में नीतीश कुमार ने घोषणा की थी कि वह राज्यसभा का चुनाव लड़ेंगे, जिसके साथ ही बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के उनके कार्यकाल का अंत हो जाएगा। कुमार ने कहा कि राज्य में श्जो नयी सरकार बनेगी, उसे उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, दो दशकों से अधिक समय तक आपने लगातार मुझ पर विश्वास और समर्थन बनाए रखा। इसी भरोसे की ताकत से हमने बिहार और आप सभी की पूरी निष्ठा के साथ सेवा की है। आपके विश्वास और समर्थन की शक्ति से ही आज बिहार विकास और गरिमा की नयी पहचान प्रस्तुत कर पा रहा है। कुमार ने कहा, संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं

बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं आपको पूरी ईमानदारी से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके साथ मेरा यह संबंध भविष्य में भी बना रहेगा एवं आपके साथ मिलकर एक विकसित बिहार बनाने का संकल्प पूर्ववत कायम रहेगा। जो नयी सरकार बनेगी उसको मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। पिछले वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत दिलाने के बाद कुमार के पद छोड़ने के साथ ही अब यह अटकलें हैं कि भारतीय जनता पार्टी का कोई नेता राज्य का नया मुख्यमंत्री बनेगा।

केवल सैन्य टकराव से मुद्दों का समाधान संभव नहीं

फिनलैंड के साथ जॉइंट प्रेस वर्ता में बोले पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे सैन्य टकराव के बीच भारत और फिनलैंड ने कानून के शासन तथा कूटनीति पर जोर देते हुए कहा है कि केवल सैन्य टकराव से किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं निकल सकता। दोनों देशों ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति स्थापना पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत यात्रा पर आये फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ गुरुवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत और फिनलैंड ने प्रौद्योगिकी से लेकर रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के लिये अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने कानून के शासन में विश्वास व्यक्त करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की वकालत की है। उन्होंने सभी तरह के आतंकवाद जड़ से समाप्त करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। मोदी ने विश्व में अस्थिरता और अनिश्चितता का उल्लेख करते हुए कहा कि यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत और फिनलैंड दोनों कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा, हम एकमत हैं कि केवल सैन्य टकराव से किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं निकल सकता। यूक्रेन हो या पश्चिमी एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के हर प्रयास का समर्थन करते रहेंगे। दोनों देशों के बीच सहयोग को और पुख्ता बनाने की सहमति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में दुनिया की दो बड़ी कूटनीतिक शक्तियों भारत और यूरोप का बढ़ता सहयोग वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को नई मजबूती दे रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनके बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को और प्रबल होगा। दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, ढांचागत और सततता जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर उन्होंने कहा कि नोकिया के मोबाइल फोन और दूरसंचार नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ा है। फिनलैंड के वास्तुविदों के सहयोग से भारत ने चिनाब नदी पर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है। फिनलैंड की साझेदारी से भारत ने नुमालीगढ़ में दुनिया की सबसे बड़ी बांस से जैव इथेनॉल रिफाइनरी भी बनाई है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से प्रेरणा लेते हुए दोनों देशों ने संबंधों को डिजिटलाइजेशन और स्स्टेनेबिलिटी में रणनीतिक साझेदारी का रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा , यह साझेदारी ए आई से लेकर 6 जी दूरसंचार , स्वच्छ ऊर्जा से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग ,कई हाई-टेक क्षेत्रों में हमारे सहयोग को गति और ऊर्जा देगी। साथ ही रक्षा , अंतरिक्ष , सेमीकन्डक्टर और महत्वपूर्ण खनिज जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी साझेदारी और गहरी होगी।ष प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फिनलैंड जैसे लोकतान्त्रिक और जिम्मेदार देशों की यह रणनीतिक साझेदारी पूरे विश्व के लिए विशवसनीय प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में योगदान देगी।

खामेनेई के निधन पर भारत ने जताई संवेदना

विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका पर किए हस्ताक्षर

नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के बाद भारत ने आधिकारिक तौर पर शोक व्यक्त किया है। गुरुवार को भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नयी दिल्लीस्थित ईरानी दूतावास पहुंचकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए और भारत सरकार की ओर से ईरान के प्रति संवेदना प्रकट की। इस दौरान भारत ने कहा कि वह इस कठिन समय में ईरान की जनता और सरकार के साथ एकजुटता और सहानुभूति व्यक्त करता है। खामेनेई का निधन 28 फरवरी 2026 को हुआ था। उनकी मौत अमेरिका और इजरायल के हवाई हमले में हुई। 86 वर्षीय खामेनेई 1989 से ईरान के सर्वोच्च नेता के रूप में सत्ता में थे और लगभग चार दशकों तक देश की राजनीति और विदेश नीति पर उनका निर्णायक प्रभाव रहा।खामेनेई के निधन और पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारत ने सावधानीपूर्ण और संतुलित प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की

अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय विवाद का समाधान केवल सैन्य टकराव से नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री के अनुसार, स्थायी समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता ही सबसे प्रभावी और टिकाऊ तरीका है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत सरकार खाड़ी क्षेत्र में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी सक्रिय है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के दिनों में खाड़ी क्षेत्र के आठ देशों के नेताओं से बातचीत की है।

भारत की तेल आपूर्ति खतरे में, फिर भी प्रधानमंत्री चुप :राहुल ने मोदी पर साधा निशाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान भारत को होने वाली परेशानियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा है। राहुल गांधी की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, विश्व एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है। आगे भयंकर संकट मंडरा रहा है। भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के

लिए स्थिति और भी बदतर है। राहुल गांधी ने लिखा है, संघर्ष हमारे पड़ोस तक पहुंच गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ऐसे समय में हमें एक स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके विपरीत भारत के पास एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो समझौतावादी हैं और रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। सप्लाई पर असर पड़ने के कारण कीमतों में उछाल आया है, क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को बंद कर दिया है।

शादी के बंधन में बंधे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चांधोक

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और उनकी मंगेतर सानिया चंडोक की शादी की एक अंदर की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। 5 मार्च को आयोजित इस खास समारोह की तस्वीर में परिवार और करीबी दोस्तों के साथ दूल्हा-दुल्हन बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने फैंस को तेंदुलकर परिवार के निजी और भावुक पलों की झलक दी है। वायरल तस्वीर में अर्जुन और सानिया अपने करीबी परिवार और दोस्तों के साथ एक खूबसूरती से सजाए गए मंच के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। बैकग्राउंड में पारंपरिक भारतीय अंदाज में सजावट की गई थी, जिसमें फूलों की झालरें, घंटियां और गुलाबी रंग के फूलों की सजावट शामिल थी। इस सजावट ने पूरे समारोह को बेहद गर्मजोशी और उत्सव जैसा माहौल दिया। शादी के मौके पर अर्जुन तेंदुलकर लाल रंग की कढ़ाईदार शेरवानी और फूलों की माला में बेहद आकर्षक नजर आए।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर तेजस्वी यादव ने कहा, यह जनता के साथ धोखा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में आज ऐतिहासिक दिन होने

वाला है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्यसभा जा रहे हैं। नीतीश कुमार ने खुद ही राज्यसभा जाने की पुष्टि कर दी। इधर पटना में नीतीश कुमार राज्यसभा के हैं पोस्टर लगे हैं। वहीं नीतीश के राज्यसभा जाने को लेकर पटना में जेडीयू के कार्यकताओं ने विरोध-प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। वहीं तेजस्वी यादव ने नीतीश के राज्यसभा जाने पर कहा कि नीतीश के साथ हमारी सहानुभूति है। भाजपा ने बिहार में महाराष्ट्र मॉडल लागू किया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के साथ हमारी सहानुभूति है। बीजेपी बिहार में महाराष्ट्र मॉडल लागू कर रही। हमने पहले ही कहा था नीतीश अब सीएम नहीं रहेंगे। बीजेपी रबर स्टैंप वाला सीएम बनाती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार चुनाव में जिस तरह भाजपा ने मशीन तंत्र का दुरुपयोग किया, उसे जनता ने देखा। बिहार में जन भावना के खिलाफ सत्ता का परिवर्तन हो रहा है। बिहार में कौन अधिकारी, मंत्री और केंद्र के किस नेता ने नीतीश कुमार को हाईजेक कर लिया है? वह जनता जानती है। यह जनता के साथ धोखा है। एनडीए ने नारा दिया था कि ष2025 से 2030 फिर से नीतीश। लेकिन, भाजपा का लालच देखिए किस तरह से नीतीश कुमार से इस्तीफा दिलवाया जा रहा है।

राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने दाखिल करवाया नामांकन

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में आज एक नए अध्याय की शुरूआत हुई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार, 5 मार्च 2026 को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति ने इसे एनडीए के बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदल दिया। नामांकन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के साथ बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। भाजपा ने नितिन नबीन

के अलावा शिवेश कुमार को भी अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी एनडीए उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरा। बिहार की कुल 5 राज्यसभा सीटों के लिए यह द्विवार्षिक चुनाव होने जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह आज दोपहर पटना पहुंचे, जहाँ नितिन नबीन ने अपने आवास पर उनका स्वागत किया। इसके बाद शाह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की और उनके राजनीतिक जीवन के इस नए चरण के लिए उन्हें बधाई दी। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना बिहार और राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। नामांकन से पहले भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने सुबह शहर के प्रमुख मंदिरों का दौरा किया। उन्होंने महावीर मंदिर, बांसघाट स्थित काली मंदिर और गोलघर के निकट अखंडवासिनी देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी से सेवा करने का आशीर्वाद मांगा।यह चुनाव केवल बिहार तक सीमित नहीं है। अप्रैल 2026 में कार्यकाल पूरा कर रहे सदस्यों की जगह भरने के लिए 10 राज्यों (महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना) से कुल 37 नए सदस्य उच्च सदन का हिस्सा बनेंगे।

मिजोरम में खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण कदम: पंजाब से सैरांग तक 25,900 क्विंटल चावल रेल से पहुंचा, खाद्य आपूर्ति में सुधार हुआ

गोरखपुर: मिजोरम में यात्री और मालगाड़ी सेवाओं की शुरूआत के साथ यात्री परिवहन और माल ढुलाई में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। इस क्षेत्र में विकास होने से पर्यटन बढ़ने के साथ-साथ संपर्क में सुधार हुआ है और आर्थिक विकास में भी योगदान मिला है। एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की पहली खाद्यान्न मालगाड़ी 3 मार्च, 2026 को सैरांग रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इस मालगाड़ी में पंजाब से लगभग 25,900 क्विंटल चावल से भरे 42 डिब्बे थे। यह राज्य में रेल आधारित माल ढुलाई संपर्क को मजबूत करने और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सैरांग में एफसीआई

की खाद्यान्न मालगाड़ी के सफलतापूर्वक पहुंचने से बढ़ती परिचालन क्षमता का पता चलता है। इससे मिजोरम के रसद एवं खाद्य वितरण नेटवर्क को सहयोग देने में रेलवे अवसंरचना की बढ़ती भूमिका स्पष्ट होती है। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि 13 सितंबर, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। इस महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना ने राज्य की राजधानी आइजोल को भारत के रेलवे मानचित्र पर ला खड़ा किया है। इससे राज्य सीधे राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है। परिवहन में सुधार के अलावा, इस नई रेल लाइन से आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने और पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मिजोरम में माल ढुलाई का प्रदर्शन बैराबी-सैरांग खंड पर माल ढुलाई परिचालन चालू होने के बाद इसमें उल्लेखनीय गति आई है। यह उल्लेखनीय है कि उद्घाटन के तुरंत बाद 21 सीमेंट से भरे ड०?बों वाली पहली मालगाड़ी को सफलतापूर्वक सैरांग ले जाने से राज्य में नियमित माल ढुलाई की शुरूआत हुई। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक, सैरांग टर्मिनल ने 30 से अधिक मालगाड़ियों का संचालन किया गया। यह मिजोरम में रेल आधारित माल ढुलाई के क्रमिक विकास को दर्शाता है। इस अवधि के दौरान, टर्मिनल पर 3.5 रेक सीमेंट उतारी गई। सीमेंट के अलावा, रेल द्वारा संचालित अन्य वस्तुओं में ऑटोमोबाइल (2 रेक), उर्वरक (0.5 रेक), पत्थर के टुकड़े (20.5 रेक) और रेत (4 रेक) शामिल हैं। इन विविध वस्तुओं का संचालन सैरांग के एक उभरते माल ढुलाई केंद्र के रूप में बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। यह बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग करता है और राज्य में निर्माण सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में सुधार करता है। गौरतलब है कि दिसंबर 2025 में सैरांग में 119 यात्री वाहनों को ले जाने वाली पहली मालगाड़ी पहुंची थी। इससे रेलवे लाइन की उच्च मूल्य वाले थोक माल को संभालने की क्षमता का पता चलता है। भारतीय रेलवे ने पार्सल लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के लिए भी कई उपाय शुरू किए हैं। इनमें बागवानी और नाशवान उत्पादों के परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए रेफ्रिजरेटेड पार्सल वैन सेवाओं की शुरूआत शामिल है। इसका उद्देश्य स्थानीय किसानों और व्यापारियों के लिए बाजार तक पहुंच का विस्तार करना है। मिजोरम में पर्यटन को गति मिल रही है मिजोरम में नवनिर्मित रेलवे लाइन ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, इसके फलस्वरूप पिछले छह महीनों में राज्य में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है।

सीआरपीएफ दरोगा की कार में आग, दो चाय दुकानों को भी फूंका

थरवई (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी कॉलोनी में अराजक तत्वों ने मंगलवार देर रात सीआरपीएफ में तैनात दरोगा अजय नाथ गहलोत की सेंट्रो कार में आग लगा दी, जिससे कार जलकर राख हो गई। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के मनसैता गांव के पास थरवईझ सहसो फोरलेन हाईवे पर बुधवार दोपहर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई।सूचना पर पुलिस ने 108 एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी कोटवा बनी भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान रुदापुर निवासी 22 वर्षीय मनोज कुमार गौतम व चंदापुर निवासी 25 वर्षीय राहुल कुमार गौतम के रूप में हुई। दोनों होली पर रिश्तेदारी में जा रहे थे।इंस्पेक्टर संतोष कुमार पांडे ने बताया कि बाइक तेज रफ्तार में थी। घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है।

डीआईजी मेडिकल ने कर्मचारियों संग मनाया होली मिलन

थरवई (प्रयागराज)। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र थरवई स्थित संयुक्त चिकित्सालय

परिसर में बुधवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीआईजी मेडिकल डॉ. विनय अग्रवाल ने चिकित्सालय के डॉक्टरों व कर्मचारियों के साथ होली की शुभकामनाएं साझा कीं। इस अवसर पर डॉ. अजीत कुमार दिवाकर, डॉ. विपुल कुमार, डॉ. बी.सी. यादव, डॉ. शंकर लाल चाहर, निरीक्षक रूपम, निरीक्षक धर्मवीर, निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सहित संयुक्त चिकित्सालय के सभी स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे कअबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी सौहार्द का संदेश दिया।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 60 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 271 बर्थ उपलब्ध हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 05 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 15 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 322 बर्थ तथा 22 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 05 एवं शयनयान श्रेणी में 405 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 102, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 293 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 79 बर्थ तथा 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 345, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 129 एवं शयनयान श्रेणी में 123 बर्थ उपलब्ध हैं।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 11 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 275 बर्थ तथा 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 457 बर्थ उपलब्ध हं।

-गोमती नगर से चलने वाली 05023 गोमती नगर-खातीपुरा विशेष गाड़ी में 10 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी 61 एवं शयनयान श्रेणी में 353 बर्थ उपलब्ध हैं।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 54, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 211 एवं शयनयान श्रेणी में 54 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 04513 गोरखपुर-चंडीगढ़ विशेष गाड़ी में 06 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 07 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी में 13 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 111 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वडोदरा विशेष गाड़ी में 08 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 09, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 36 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 71 बर्थ एवं 15 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 10, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 60 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 271 बर्थ उपलब्ध हैं।

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन से डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के माध्यम से डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा नामक विशेष आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक टूर पैकेज की घोषणा की है। यह 11 रात और 12 दिन की यात्रा यात्रियों को राजस्थान की राजसी विरासत और उज्जैन की आध्यात्मिक आस्था का अनूठा अनुभव प्रदान करेगी। भारत सरकार की देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल को बढ़ावा देते हुए आईआरसीटीसी इस विशेष पर्यटन यात्रा का संचालन कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को यात्रियों तक पहुंचाना है। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र (मुंबई) के ग्रुप जनरल मैनेजर श्री गौरव झा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष पर्यटक ट्रेन 27 मार्च को सोलापुर से प्रस्थान करेगी। इस यात्रा के लिए यात्रियों को पुणे, लोणावला, कल्याण, वसई रोड और सूरत जैसे प्रमुख स्टेशनों से भी ट्रेन में चढ़ने की सुविधा उपलब्ध होगी। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को उदयपुर की खूबसूरत झीलों का आनंद, नाथद्वारा में श्रीनाथजी

के दर्शन, पुष्कर तीर्थ, जोधपुर और जयपुर के ऐतिहासिक किले और महल, खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन तथा उज्जैन में भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का अवसर प्राप्त होगा। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगी, बल्कि राजस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी करीब से देखने का अवसर देगी। यात्रियों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन में तीन श्रेणियों की व्यवस्था की गई है–

इकोनॉमी क्लास (स्लीपर) 19,900 प्रति व्यक्ति
स्टैंडर्ड क्लास (3 एसी) 31,920 प्रति व्यक्ति
कंफर्ट क्लास (2 एसी) 41,840 प्रति व्यक्ति

लगभग 750 यात्रियों की क्षमता वाली इस विशेष ट्रेन में सोलापुर, पुणे, कल्याण, वसई रोड और सूरत जैसे प्रमुख स्टेशनों पर चढ़ने और उतरने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस यात्रा को ऑल-इनक्लूसिव पैकेज के रूप में तैयार किया गया है। इस पैकेज में रेल यात्रा, शुद्ध शाकाहारी भोजन, होटल में ठहरने की व्यवस्था, स्थानीय दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के लिए बसें, टूर एस्कॉर्ट तथा यात्रियों के लिए यात्रा बीमा जैसी सुविधाएं शामिल हैं, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और यादगार यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके। बुकिंग और अधिक जानकारी के लिए इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक पर्यटन वेबसाइट या निकटतम आईआरसीटीसी पर्यटन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

आजमगढ़ में दो जगह पुलिस मुठभेड़, गोतस्करी करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

आजमगढ़। यूपी के आजमगढ़ में दो थानों की पुलिस ने मुठभेड़ में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी गोतस्करी में लिप्त थे। इनके खिलाफ मुकदमे भी दर्ज हैं। एक आरोपी मौके से फरार हो गया है। आजमगढ़ पुलिस ने गोतस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ों में कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इन मुठभेड़ों में दो शातिर गोतस्कर पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गए, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार बुधवार की रात निजामाबाद थाना क्षेत्र के नेवादा पुल के पास पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान संदिग्ध मोटर साइकिल सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने की कार्रवाई आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें हिस्ट्रीशीटर और शातिर गोतस्कर

मेराज गोली लगने से घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी नासिर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा (.315 बोर), दो कारतूस, बिना नंबर प्लेट की चोरी की मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन और 840 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार घायल अभियुक्त मेराज के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट और गैंगेस्टर एक्ट समेत 17 से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। बदमाशों को भेजा जेल वहीं दूसरी मुठभेड़ बृहस्पतिवार की भोर में फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुड़ियार स्थित शाहिदा सुल्ताना स्कूल के आगे पुलिया के पास हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम कौड़िया (कुंवर नदी) में प्रतिबंधित पशु अवशेष मिलने के मामले में कुछ आरोपी सक्रिय हैं। पुलिस की घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जिसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी मो. आमिर घायल हो गया। पुलिस ने मौके से कुल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान एक अवैध तमंचा (.315 बोर), एककारतूस, दो चापड़ और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से गोवंश पकड़कर अवैध वध करने और मांस बेचने की बात स्वीकार की है। सीओ किरन पाल सिंह ने बताया कि फरार अभियुक्त की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुंबई से घर आए युवक की हत्या, खेत में दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

भदोही। यूपी के भदोही जिले में एक परिवार में त्योहार की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब गायब युवक की लाश खेत में मिली। युवक को बेरहमी से पीटा गया था। पुलिस ने तहरीर लेकर शव को कब्जे में ले लिया है। भदोही कोतवाली क्षेत्र के सियरहां गांव में बुधवार की रात में युवक विशाल सरोज (25) सुरेंद्र सरोज निवासी बरमोहनी की डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को खेत में उसका शव मिलने से सनसनी फैल गई। करीब 100 मीटर तक युवक को घसीटा गया था। कई स्थानों पर खून फैला मिला। घटना की खबर मिलते ही दो थानों की पुलिस, फोरेंसिक, डाग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। पुलिस ने गांव के ही पांच युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई। बरमोहनी गांव निवासी विशाल सरोज मुंबई में रहता था। एक सप्ताह पूर्व होली की छुट्टी लेकर घर आया था। बुधवार को दोपहर में वह होली खेलने के लिए, लेकिन शाम तक नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद पता नहीं चला। बृहस्पतिवार की सुबह उसका शव सियरहां के जल निगम पानी टंकी के पास एक खेत में मिला। परिजनों में मचा कोहराम उसके सिर में गंभीर चोट के निशान मिला। खेत में ही उसे करीब 100 मीटर तक घसीटने का निशान मिला। घटना की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल गांव में पहुंच गई। फोरेसिंक टीम ने भी कई बिदुओं पर जांच किया। घटना से गांव में कोहराम मच गया। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। मृतक विशाल तीन भाइयों में छोटा था। मृतक के

पिता सुरेंद्र सरोज ने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दिया। पुलिस ने मामले में पांच युवकों को हिरासत में लिया है।

संक्षिप्त खबरें

वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुविधा हेतु 09111/09112 वडोदरा-गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन वडोदरा से 09, 16 एवं 23 मार्च, 2026 दिन सोमवार को तथा गोरखपुर से 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 दिन बुधवार को शेष 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। यह गाड़ी अब आगरा फोर्ट के स्थान ईदगाह (आगरा) में ठहराव प्रदान करेगी। 09111 वडोदरा-गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 09, 16 एवं 23 मार्च, 2026 दिन सोमवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.10 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.45 बजे, सवाई माधोपुर से 04.20 बजे, गंगापुर सिटी से 05.05 बजे, भरतपुर से 07.10 बजे, ईदगाह (आगरा) से 07.50 बजे, टूण्डला से 09.25 बजे, शिकोहाबाद से 10.02 बजे, मैनपुरी से 11.05 बजे, फरुर्खाबाद से 12.50 बजे, कानपुर सेंट्रल से 16.20 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 18.30 बजे, बाराबंकी से 19.15 बजे, गोंडा से 20.40 बजे तथा बस्ती से 22.10 बजे छूटकर गोरखपुर 23.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 09112 गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 दिन बुधवार को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 06.07 बजे, गोंडा से 07.30 बजे, बाराबंकी से 09.00 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 10.40 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.25 बजे, फरुर्खाबाद से 15.10 बजे, मैनपुरी 16.37 बजे, शिकोहाबाद से 17.49 बजे, टूण्डला से 19.05 बजे, ईदगाह (आगरा) से 20.10 बजे, भरतपुर से 21.22 बजे, गंगापुर सिटी से 22.33 बजे, सवाई माधोपुर से 23.08 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.35 बजे, रतलाम से 04.25 बजे तथा गोधरा से 07.17 बजे छूटकर वडोदरा 08.35 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे को स्क्रैप निस्तारण के फलस्वरूप कुल रू. 188 करोड़ से अधिक की आय

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से, ये स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुथरे हो रहे हैं। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह फरवरी, 2026 तक मिशन जीरो स्क्रैप के तहत स्क्रैप निस्तारण से रू. 188.51 करोड़ की आय हुई है तथा माह फरवरी, 2026 में स्क्रैप निस्तारण से रू. 19.19 करोड़ की आय हुई है। तथा रेल पटरियों के किनारे पड़े हुये निष्प्रयोज्य सामग्री, परित्यक्त इमारतों एवं आवासों की पहचान कर निस्तारण किया गया है, जिससे रेल राजस्व प्राप्त होने के साथ ही रेल परिसर तथा रेल पटरियों को स्वच्छ रखने में भी सफलता मिली है।

डीसीएम की टक्कर से अधेड़ की मौत

दुबौलिया। थाना क्षेत्र के राम जानकी मार्ग पर कुदरही गांव के पास सड़क पार करते समय डीसीएम की चपेट में आने से अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। कुदरही गांव के गंगा सिंह 55 मंगलवार को दिन में एक बजे रामजानकी मार्ग पर सड़क पार कर रहे थे। इसी बीच दुबौलिया से छावनी की तरफ जा रही डीसीएम ने उन्हें जोरदार टककर मार दी। इससे उनके मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि परिजन इलाज के लिए सीएचसी हरैर्या ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची दुबौलिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने बताया की शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

हादसे में साइकिल सवार घायल

वाल्टरगंज। बस्ती-डुमरियागंज मार्ग पर ओसापुर के पास सोमवार की शाम करीब 6:30 बजे साइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में थाना क्षेत्र के कुसम्हा निवासी 40 वर्षीय राज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया। इसके बाद हादसे की जानकारी युवक के परिवार को दी गई।

11 सीएचसी में जल्द बनेगी एनबीएसयू

बस्ती। जिले की 11 सीएचसी पर एनबीएसयू (न्यू बार्न सिक यूनिट) बनेगा। यहां पर नवजात का इलाज किया जाएगा। अभी तक गंभीर नवजात को जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया जाता है। एनबीएसयू बन जाने से स्थानीय स्तर पर व तत्काल नवजात का इलाज शुरू हो सकेगा। यूनिट के क्रियाशील होने पर शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि सीएचसी पर एनबीएसयू संचालित कराए जाने हैं, जिसके लिए उपकरणों की खरीद की जा रही है। इसके लिए शासन स्तर से शत-प्रतिशत एनबीएसयू की सुविधा सभी चिकित्सा इकाइयों पर किए जाने के लिए निर्देश प्राप्त हुआ है। उसी क्रम में यह तैयारी की जा रही है। बताया कि एनएचएम के बजट से एनबीएसयू के लिए जिले स्तर पर 66 इंफैंट वार्मर और 66 फोटो थेरेपी मशीन की खरीद हुई है। मशीनों की गुणवत्ता की जांच कराई जा रही है, इसके बाद इन मशीनों को चयनित सीएचसी पर भेजा जाएगा। विभाग का कहना है कि जिले में ब्लॉक स्तरीय 14 सीएचसी हैं, जिसमें से तीन पर पहले से ही एनबीएसयू बना है, शेष 11 सीएचसी के लिए यह व्यवस्था की जा रही है।

बरामदे में सो रही 12वीं की छात्रा की गोली मारकर हत्या

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले मंदीप नाम के सिरफिरे आशिक ने सोमवार की रात करीब 12:55 बजे बरामदे में सो रही गांव की ही नाबालिग छात्रा की गोली मार कर हत्या कर दी और भाग निकला। एक गोली सिर और दूसरी सीने में लगने से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि रेकी के आरोप में तीन युवकों को पकड़ा गया है और पूछताछ की जा रही है।

तीन दिन संतकबीरनगर में अपने जीजा के घर रुका था आरोपी

बस्ती। कलवारी क्षेत्र की छात्रा की हत्या के बाद गांव में मातम छा गया है और होली का उल्लास फीका पड़ गया है। पुलिस की जांच में पता चला है कि कलवारी थाना क्षेत्र में 12वीं की छात्रा की हत्या करने का आरोपी मंदीप तीन दिन से संतकबीरनगर जिले में अपने जीजा के घर रुका हुआ था। वहीं से छात्रा की रेकी करा रहा था। इसमें गांव के तीन युवक उसका सहयोग कर रहे थे। पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि आरोपी की लोकेशन मिल गई है।

थूककर रोटियां बनाने वाला कारीगर गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में मुरादाबादी बिरयानी की दुकान पर काम करने वाला कारीगर रोटी बनाते समय उस पर थूकता नजर आया। किसी ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जिसके बाद मामला तूल पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक 2 मार्च को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक युवक रोटी बनाते समय उस पर थूकता नजर आ रहा था। वीडियो सामने आने पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि वीडियो बुद्धेश्वर महादेव मंदिर के पास दूध मंडी के सामने मुरादाबादी बिरयानी की दुकान का है। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह के अनुसार, अनस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। 4 मार्च को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसके खिलाफ शांति भंग के तहत भी कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि इस तरह की हरकत लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। इससे गंभीर बीमारियों के संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। संबंधित धाराओं के तहत दोषी पाए जाने पर आरोपी को छह महीने तक की सजा, जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में लोगों में नाराजगी है। पुलिस ने दुकानदारों को साफ-सफाई के नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी है।

संक्षिप्त समाचार

बी-वॉक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं, 5 तक भरे जाएंगे फॉर्म

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में बी-वॉक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं मार्च के आखिरी सप्ताह या अप्रैल के प्रथम सप्ताह में शुरू होंगीं। परीक्षा फॉर्म नियमित परीक्षा शुल्क तक 5 मार्च तक भरे जाएंगे, वहीं 500 रुपए लेटफीस के साथ 6 मार्च, 1000 रुपए के साथ 7 मार्च और 2 हजार रुपए लेटफीस के साथ 9 मार्च तक भरे जाएंगे। बी-वॉक कोर्स के तहत कॉस्मेटिक साइंस एंड ब्यूटीकल्चर, एकाउंटेंसी एंड ऑडीटिंग, एनीमल हस्बेंड्री, डेयरी साइंस, इलैक्ट्रिकल साइंस एंड इलैक्ट्रिकल टैक्नॉलॉजी, इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलॉजी, फ्लॉरीकल्चर एवं लैंड स्केप गार्डनिंग, होटल एंड रेस्टॉरेंट मैनेजमेंट, फाइनेंसियल एंड मार्केटिंग मैनेजमेंट, पेस्टीसाइड साइंस, टूरिज्म एंड हॉस्पिटलिटी मैनेजमेंट जैसे कोर्सों की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

युवा सम्मेलन में युवाओं को मिला प्रेरक संदेश

ग्वालियर। शहर के लक्ष्मीगंज स्थित हरे शिव गार्डन में पूर्णवाद युवा फोरम एवं पूर्णकन्या प्रतिष्ठान संस्था द्वारा युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. विष्णु महाराज पारनेरकर ने ऑनलाइन आर्शीवाद प्रदान करते हुए युवाओं को प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने वर्तमान सामाजिक व्यवस्था, समसामयिक परिस्थितियों तथा उसमें युवाओं की जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मौलिक और प्रेरक मार्गदर्शन दिया। संचालन शिवानी पाटिल एवं आभार भाग्येश पारनेरकर ने किया। कार्यक्रम में जयंत जपे, उपेंद्र शिरगांवकर, राघवेंद्र शिरगांवकर आदि उपस्थित रहे।

आज शुष्क दिवस रहेगा

ग्वालियर। होली के पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बुधवार को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इसके चलते बुधवार को कम्पोजिट मदिरा दुकानें, एफएल-2 (रेस्टॉरेंट), एफएल-3(होटल एवं बार), एफल-4 (क्लब लाइसेंस) सहित सभी प्रकार की शराब की दुकानों पर शराब की बिक्री शाम 4 बजे तक प्रतिबंधित रहेगी। इस दौरान भांग की दुकानों पर भी बिक्री प्रतिबंधित रहेगी।

जीवाजी विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

40 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी, तीन माह में पूरी होगी प्रक्रिया

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय में नियमित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। वर्ष 2012 के बाद तीन बार विज्ञापन जारी होने के बावजूद प्रक्रिया विभिन्न कारणों से पूर्ण नहीं हो सकी थी। अब विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वर्ष 2018 के नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने की तैयारी के साथ 40 पदों पर नियुक्ति के लिए दो अलग-अलग विज्ञापन जारी किए हैं। 2 मार्च को जारी इन विज्ञापनों में 20 पद नियमित रिक्तियों के लिए तथा 20 पद बैकलॉग श्रेणी के लिए स्वीकृत किए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि इस बार पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न की जाएगी। इसके लिए 2 अप्रैल तक आवेदन रजिस्ट्रार जीवाजी यूनिवर्सिटी के नाम से मांगे गए हैं। वहीं इसके बाद भी नियुक्ति प्रक्रिया में डेढ़ माह से ज्यादा समय लग जाएगा।

20 नियमित पदों के लिए अलग विज्ञापन

पहले विज्ञापन के तहत विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में 20 नियमित पदों पर नियुक्ति की जाएगी। जिन विभागों में पद स्वीकृत हुए हैं, उनमें प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, जैव-रसायन, वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र, अर्थशास्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित, भौतिकी, प्राणी शास्त्र इन पदों पर अनारक्षित, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण निर्धारित किया गया है।

बैकलॉग के 20 पद, आरक्षित वर्गों पर फोकस

दूसरा विज्ञापन विशेष रूप से बैकलॉग पदों को भरने के लिए जारी किया गया है। इसमें भी 20 पद स्वीकृत किए गए हैं। जिन विभागों में बैकलॉग रिक्तियां भरी जानी हैं, उनमें— प्राचीन भारतीय इतिहास, जैव-प्रौद्योगिकी, वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र, वाणिज्य, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, आजीवन शिक्षा विस्तार एवं समाज कार्य, प्रबंधन, गणित, भौतिकी प्राणी शास्त्र बैकलॉग पद मुख्य रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। कुछ पद दिव्यांग श्रेणी के लिए भी चिन्हित किए गए हैं।

यूजीसी 2018 नियमों के अनुसार होगी भर्ती

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार सहायक प्राध्यापक पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता एवं चयन प्रक्रिया यूजीसी के वर्ष 2018 के नियमों के अनुरूप होगी। इसमें शैक्षणिक अर्हता, नेट/सेट/पीएचडी संबंधी प्रावधान तथा चयन समिति की संरचना निर्धारित मानकों के अनुसार होगी।

वेबसाइट पर उपलब्ध हैं नियम और आवेदन पत्र

आवेदन निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित किए गए हैं। विस्तृत जानकारी, पात्रता मानदंड, आरक्षण विवरण, आवश्यक दस्तावेज तथा अन्य शर्तें विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई हैं। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने का आग्रह किया गया है।

इतने पदों पर भर्ती से भी पूर्ति नहीं होगी

जीवाजी विश्वविद्यालय में 40 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा रही है लेकिन यह भी वर्तमान व्यवस्थाओं के हिसाब से नाकाफी है। अभी प्राध्यापक और सह प्राध्यापक पद के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी नहीं की गई है, उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही एक और विज्ञापन जारी किया जा सके।

इनका कहना है

विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है, इसके लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। यह प्रक्रिया यूजीसी के नियमों के तहत की जा रही है।

डॉ. राजीव मिश्रा
कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय

मुरार जिला अस्पताल में 95 लाख की लेप्रोस्कोप मशीन दो साल से बंद

■ ग्वालियर

■ चार सर्जन पदस्थ, फिर भी मरीजों को नहीं मिल पा रही आधुनिक सर्जरी की सुविधा

शहर के मुरार जिला अस्पताल में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा करीब दो वर्ष पूर्व 95 लाख रुपए की लेप्रोस्कोप मशीन उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण यह मशीन आज तक शुरू नहीं हो सकी है। हालत यह है कि अत्याधुनिक सर्जरी के लिए लाई गई मशीन धूल खा रही है, जबकि अस्पताल में चार सर्जरी विशेषज्ञ पदस्थ हैं और प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीज उपचार के लिए यहां पहुंचते हैं।

जानकारी के अनुसार अस्पताल में सामान्य सर्जरी के अनेक मरीज रोजाना भर्ती होते हैं और ऑपरेशन भी किए जाते हैं। इसके बावजूद लेप्रोस्कोप पद्धति से सर्जरी की सुविधा अब तक शुरू नहीं हो पाई है। दूसरी ओर, शहर के हजीरा सिविल अस्पताल में लेप्रोस्कोप पद्धति से ऑपरेशन किए जा रहे हैं और वहां अब तक नौ मरीजों की सफल सर्जरी की जा चुकी है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब जिला अस्पताल में संसाधन और चिकित्सक दोनों उपलब्ध हैं, तो फिर मशीन चालू क्यों नहीं की जा रही। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि पित्ताशय, अपेंडिक्स, हर्निया सहित कई प्रकार की सर्जरी लेप्रोस्कोप पद्धति से सुरक्षित और प्रभावी ढंग से की जा सकती हैं। यदि यह सुविधा जिला अस्पताल में शुरू हो जाए, तो गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा।

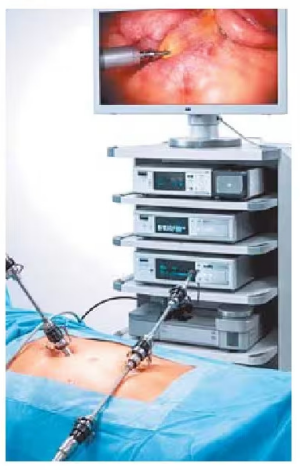

क्या है लेप्रोस्कोप मशीन

लेप्रोस्कोप एक आधुनिक सर्जिकल तकनीक है, जिसमें शरीर पर बड़ा चीरा लगाए बिना छोटे छिद्र के माध्यम से ऑपरेशन किया जाता है। इसमें एक पतली नलीनुमा उपकरण (कैमरे सहित) शरीर के अंदर डाली जाती है, जिससे चिकित्सक मॉनिटर पर अंदरूनी अंगों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं और सर्जरी कर सकते हैं।

अस्पताल में पांच थिएटर, फिर भी आधुनिक सुविधा ठप

मुरार जिला अस्पताल में कुल पांच ऑपरेशन थिएटर हैं। वर्तमान में द्वितीय तल पर दो ऑपरेशन थिएटर संचालित हो रहे हैं, जबकि प्रथम तल पर भी ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्था है। इसके बावजूद लेप्रोस्कोप मशीन का उपयोग नहीं हो पा रहा है।

क्या हैं फायदे

- बड़े चीरे की आवश्यकता नहीं, केवल छोटे छिद्र से सर्जरी
- कम रक्तस्राव और संक्रमण का खतरा कम
- मरीज को कम दर्द
- जल्दी रिकवरी और कम समय में अस्पताल से छुट्टी
- ऑपरेशन के बाद निशान बहुत छोटा

इनका कहना है

लेप्रोस्कोप ऑपरेशन जल्द शुरू किए जाएंगे, इसके लिए ऑपरेशन थिएटर में व्यवस्था की जा रही है।

डॉ. आरके शर्मा
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

सड़क सुरक्षा के लिए संकेतक लगेंगे अतिक्रमण हटाने काम भी तेज होगा

■ ग्वालियर

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन के लिए नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को अपर आयुक्त प्रदीप तोमर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े निगम के दायित्वों पर विस्तार से चर्चा कर सड़क संकेतक लगाने, अतिक्रमण हटाकर यातायात सुगम बनाने पर चर्चा की गई। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक में जिला स्तर पर दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की गई। अपर आयुक्त ने अधिकारियों से अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली और लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से सड़क संकेतक, अवैध अतिक्रमण, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात सुगमता से जुड़े विषयों पर बिंदुवार चर्चा की गई। अधिकारियों से कहा गया कि कि सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों में लापरवाही न बरती जाए और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कार्यपालन यंत्री सुशील कटारे, सुरेश अहिरवार, सहायक यंत्री अमित गुप्ता, अशोक गुप्ता, राकेश कुशवाहा, बृज बिहारी चंसोलिया, अजय शाक्यवार, उपयंत्री संजीव झा, सुश्री छाया यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मनाएंगे काली होली

■ वेतन नहीं मिलने से 550 अधिकारी-कर्मचारियों में आक्रोश, हड़ताल की चेतावनी

■ ग्वालियर

होली जैसे प्रमुख त्योहार से ठीक पहले वेतन न मिलने से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिले में सिविल सर्जन के अंतर्गत कार्यरत 550 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र वेतन भुगतान नहीं हुआ तो वे चरणबद्ध आंदोलन करते हुए काली होली मनाएंगे।

कर्मचारी संगठनों के अनुसार जिला अस्पताल एवं शहरी क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ और चिकित्सकों के वेतन देयक जिला कोषालय अधिकारी अरविंद शर्मा द्वारा निरस्त कर दिए गए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि पूर्व में इसी प्रकार के देयक नियमित रूप से पारित होते रहे हैं, ऐसे में इस बार उन्हें अस्वीकृत किए जाने का कारण स्पष्ट नहीं है। उनका आरोप है कि त्योहार से पहले वेतन भुगतान के लिए शासन स्तर पर विशेष व्यवस्था की परंपरा रही है, ताकि कर्मचारी खुशी से पर्व मना सकें, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। संयुक्त मोर्चा अध्यक्ष रणवीर सिंह सिकरवार एवं स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र जैन ने इस संबंध में जिलाधीश रुचिका चौहान को ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल भुगतान सुनिश्चित नहीं किया गया तो 4 मार्च को दो घंटे तक ओपीडी कार्य से दूरी बनाई जाएगी और इसके बाद आंदोलन को तेज किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन सौंपा जाएगा।

लिखित आश्वासन के बाद भी नहीं मिला एरियर

जयारोग्य अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारियों ने 22 जनवरी को एरियर भुगतान की मांग को लेकर हड़ताल की थी। प्रशासन की मौजूदगी में संबंधित कंपनी ने एक माह के भीतर एरियर भुगतान का लिखित आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक भुगतान नहीं किया गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि हड़ताल में शामिल कुछ कर्मियों का अन्य मेडिकल कॉलेजों में स्थानांतरण कर दिया गया, जिससे उनमें असंतोष और बढ़ गया है।

जीविवि की शोध छात्रा मीनाक्षी को यंग साइंटिस्ट अवार्ड

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की शोध छात्रा मीनाक्षी श्रीवास्तव को 26 से 28 फरवरी तक आयोजित 41वें एम.पी. यंग साइंटिस्ट कांग्रेस में लाइफ साइंस विषय के अंतर्गत यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित आयोजन मध्य प्रदेश कॉउन्सिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा भोपाल में आयोजित किया गया था।

कांग्रेस में लगभग 700 शोधार्थियों में से 278 को अपने शोध प्रस्तुत करने का अवसर मिला, जिनमें मीनाक्षी श्रीवास्तव ने

उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह सम्मान प्राप्त किया। उन्हें 25,000 रुपये की पुरस्कार राशि एवं छह माह की फेलोशिप प्रदान की गई। विज्ञान दिवस के अवसर पर रवीन्द्र भवन में आयोजित समारोह में उन्हें यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य, विभागाध्यक्ष प्रो. महेंद्र कुमार गुप्ता तथा विश्वविद्यालय परिवार ने मीनाक्षी को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. महेंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में मीनाक्षी का शोध राइजोबैक्टीरिया पर केंद्रित है। यह लाभकारी जीवाणु दलहनी पौधों की जड़ों में पाए जाते हैं और फसलों की वृद्धि को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा भारी धातुओं से दूषित मिट्टी के जैव-उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चिंता मत करो, मैं स्वयं करूंगा ऑपरेशन

■ महाविद्यालय के अधिष्ठाता की संवेदनशील पहल

■ ग्वालियर

आर्थिक तंगी और शारीरिक पीड़ा से जूझ रहे एक आदिवासी मजदूर के लिए गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय उम्मीद की किरण बनकर सामने आया। मजदूरी के दौरान हाथ फ्रेक्चर होने के बाद सही उपचार न मिल पाने से महेश का हाथ टेढ़ा जुड़ गया था।

परिवार का एकमात्र कमाने वाला होने के कारण वह गहरी चिंता में था और बच्चों के पालन-पोषण को लेकर परेशान था। अपनी व्यथा लेकर जब वह महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के.एस. धाकड़ के पास पहुंचा, तो अधिष्ठाता ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी ली। कार्ड न होने पर तत्काल ऑर्थोपेडिक विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. बाजौरिया को निर्देश दिए कि प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान कार्ड बनवाकर मरीज को वार्ड में भर्ती किया जाए। डॉ. धाकड़ ने न केवल इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की, बल्कि स्वयं ऑपरेशन करने की जिम्मेदारी भी ली।

कॉपर तार काटने से शॉर्ट सर्किट 250 मरीजों की जांच प्रभावित

■ गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय की टीबी लैब में चोरी

■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सालय एवं जयारोग्य चिकित्सालय समूह की सुरक्षा व्यवस्था एजाइल एजेंसी के पास होने के बावजूद चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में चोरों ने महाविद्यालय परिसर स्थित माइक्रोबायोलॉजी विभाग की टीबी लैब में घुसकर कॉपर के तार काट लिए, जिससे शॉर्ट सर्किट हो गया और लैब का कार्य पूरी तरह ठप हो गया।

सोमवार देर रात अज्ञात चोर दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हुए। उन्होंने टीबी लैब में बिजली सप्लाई के लिए रखे जनरेटर की बैटरी और अन्य सामान निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने बिजली आपूर्ति के लिए लगाए गए कॉपर तार काट लिए। तार काटते समय शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे लैब की लाइट और विद्युत व्यवस्था खराब हो गई। मंगलवार सुबह लैब

खुलने पर कर्मचारियों को घटना की जानकारी मिली। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण टीबी मरीजों के नमूनों की जांच नहीं हो सकी। लैब के नोडल अधिकारी डॉ. के.पी. रंजन ने घटना की सूचना अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ को दे दी है।

प्रतिदिन 200 से अधिक जांचें

टीबी लैब में ग्वालियर-चंबल संभाग के विभिन्न अस्पतालों से नमूने जांच के लिए भेजे जाते हैं। यहां सीबी नेट, टू नेट, आरटीपीसीआर, लाइन प्रोब ऐसे, सॉलिड कल्चर और लिक्विड कल्चर सहित विभिन्न जांचें की जाती हैं। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से मंगलवार को लगभग 250 नमूनों की जांच नहीं हो सकी। अधिकारियों के अनुसार अवकाश के कारण अब इनकी जांच 5 मार्च को हो पाएगी।

पहले भी हो चुकी हैं चोरी की घटनाएं

अस्पताल परिसर में यह पहली घटना नहीं है। पूर्व में भी कई बार चोरी की वारदातें सामने आ चुकी हैं। पिछले वर्ष पत्थर वाली बिल्डिंग में घुसे चोरों में से एक ने सुरक्षाकर्मियों की गश्त के दौरान छत से छलांग लगा दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी, जबकि उसके साथी फरार हो गए थे। प्रबंधन द्वारा शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। हजार बिस्तर अस्पताल की छत से पानी सप्लाई के पीतल वाल्व और मरीजों के मोबाइल चोरी की घटनाएं भी सामने आती रही हैं।

इनका कहना है

लैब से चोरी हुए सामान की भरपाई सुरक्षा कंपनी से जुर्माने के रूप में वसूली जाएगी।

डॉ. आरकेएस धाकड़
अधिष्ठाता, गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय

मूल्यांकन ने गति पकड़ी

बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम मई के पहले सप्ताह में आने की उम्मीद

■ ग्वालियर

माध्यमिक शिक्षा मंडल आयोजित हायर सैकंडरी और हाईस्कूल की परीक्षाएं 7 मार्च को समाप्त जाएंगीं। जबकि मूल्यांकन की प्रक्रिया भी एक सप्ताह पहले शुरू कर दी गई थी। ऐसे में 15 अप्रैल तक मूल्यांकन कार्य पूरा हो जाएगा और परिणाम जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि मई के पहले सप्ताह में 10 वीं और 12 वीं का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं और 12वीं की परीक्षा फरवरी माह में शुरू हो गई थीं। जिले में परीक्षा के दौरान नकल न हो इसका पूरा इंतजाम किया गया था। इसके लिए उड़नदस्ते भी बनाए गए थे। परीक्षा के दौरान अब तक 1 ही नकल प्रकरण पकड़ा गया था। जबकि अंचल में सबसे ज्यादा नकल प्रकरण मुरैना में मिले थे। इसके बाद भिंड का नंबर आता है। मुरैना में फर्जी परीक्षार्थी भी पकड़े गए थे।

फाइल फोटो

जिले में पहले चरण में 40 हजार कॉपियां आईं : जिले में बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन का कार्य नोडल केंद्र शिंदे की छावनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लगभग एक सप्ताह पहले शुरू हो गया था। जिले में 40 हजार कॉपियां चेक होने के लिए आईं थीं, पहले दिन 65 मूल्यांकर्ता शिक्षक पहुंचे थे। इसके बाद नोटिस जारी करने की चेतावनी दी गई तो मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ गई।

9वीं और 11वीं के परिणाम भी 23 तक

बोर्ड परीक्षा के साथ ही 9 वीं और 11 वीं की परीक्षाएं भी शुरू हो चुकी हैं। इसके साथ ही इनका मूल्यांकन भी शुरू करवाया जा रहा है, शिक्षकों को मूल्यांकन पूरा करने की समय सीमा भी 20 मार्च तय कर दी गई है ताकि 23 मार्च तक परीक्षा परिणाम जारी किया जा सके। इस बार विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया भी 20 से 31 मार्च तक आयोजित की जाएगी।

जीविवि ने 28 परीक्षा परिणाम घोषित किए

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर और स्नातक के 28 पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। जीवाजी विश्वविद्यालय ने एमएससी बायोटेक, कंप्यूटर साइंस, फूड टैक्नॉलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स, डिफेंस एंड स्ट्रैटजिक स्टडी, माइक्रोबॉयोलॉजी, जूलॉजी, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी, इकॉनॉमिक्स, ज्योलॉजी प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए हैं। वहीं स्नातक पाठ्यक्रमों में बीएससी ऑनर्स केमिस्ट्री तीसरा सेमेस्टर, बीकॉम ऑनर्स तीसरा सेमेस्टर, बीकॉम ऑनर्स पांचवा सेमेस्टर, बीएससी ऑनर्स जूलॉजी सातवां सेमेस्टर, बीबीए तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं।

होली के दिन युवक को गोली मारने वाला युवक गिरफ्तार

लखनऊ । पीजीआई इलाके में होली के दिन गोली चलाने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देशी तमंचा और खोखा बरामद किया है। उसे गुरुवार को जेल भेज दिया गया। सुमन वर्मा, निवासी राजीव नगर, घोसीयाना खरिका तेलीबाग ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को दोपहर करीब 2 बजे उनका बेटा अंकित वर्मा (उम्र 29 वर्ष) अपने साथियों जितेंद्र यादव और नरेंद्र त्रिपाठी के साथ होली खेलकर लौट रहा था। इसी दौरान राजीव नगर निवासी शोभित यादव ने अंकित को गाली देना शुरू कर दिया। मना करने पर शोभित ने अपने हाथ में लिए तमंचे से जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गोली अंकित के पेट को छूते हुए निकल गई, जिससे वह मौके पर ही घायल हो गया। उसे तुरंत ट्रामा-02 सेंटर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी। घायल अंकित की मां सुनीता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी शोभित यादव ने बताया कि करीब एक साल पहले उसके चाचा जितेंद्र यादव के बरक्षाधितलक समारोह में अंकित वर्मा से उसकी कहासुनी हुई थी। शोभित के अनुसार, बुधवार को जब वह अपने घर आ रहा था, तो अंकित वर्मा ने उसे रास्ते में रोककर गाली-गलौज की। इस पर उसने अपने लोवर में रखा तमंचा निकालकर अंकित पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया।

सम्पादकीय

ईरान पर चुप्पी हमें शर्मसार करेगी

आप सुनिए मेरी बात। नैतिकता, आदर्श, सिद्धांत ये सब अपने घर-समाज के नियम हैं। विदेश नीति इनसे नहीं चलती है। वहां हर कोई अपना राष्ट्रीय हित साधने आता है। हमें भी यही करना होगा। यही हमारी सरकार कर रही है। आप खामखा उपदेश मत दीजिए। फिर अपने लहजे को हल्का करने की नीयत से मुस्कुराए और बोले, आपको वो गाना याद है, कसमे वादे प्यार वफा, सब बातें हैं बातों का क्या? कोई किसी का नहीं है, झूठे नाते हैं नातों का क्या। बातचीत शुरू ऐसे नहीं हुई थी। हम फिर पार्क में मिले थे। जैसा जमाने का दस्तूर है, चर्चा खेल और युद्ध पर चल रही थी। टी-20 पर चर्चा ऐसी, मानो खेल नहीं युद्ध चल रहा हो। और ईरान पर हमले और जवाबी हमले की चर्चा ऐसी मानो युद्ध नहीं खेल चल रहा हो। मिसाइल और लाशों को रन और विकेट की तरह गिना जा रहा था। हर हिंदुस्तानी कानून, देसी दवा और क्रिकेट के साथ-साथ अब सामरिक विषयों का एक्सपर्ट भी बन गया था। बुमराह को स्विंग और यॉर्कर सिखाने वाले एक्सपर्ट अब ट्रम्प को हवाई युद्ध और पश्चिम एशिया को कूटनीति सिखा रहे थे। ईरान की तबाही और तेल के दाम पर निरपेक्ष भाव से चर्चा चल रही थी, जैसे मैच से पहले पिच की समीक्षा हो रही हो। भारत के विकल्पों पर चर्चा हो रही थी। मेरे बोलने में जरूर कुछ तल्खी रही होगी। मैंने कहा, जरा एक मिनट के लिए सोचिए, अगर ईरान की जगह हम होते और अगर कोई ऐसी बातचीत कर रहा होता तो हमें कैसे लगता? आखिर किसी की बबार्दी पर हम इतनी चटपटी चर्चा कैसे कर सकते हैं? उन्हें बात नागवार गुजरी थी। हम ईरान की तुलना भारत से कैसे कर सकते हैं? वहां इस्लामी चरमपंथी मुल्लाओं का राज है। जनता उस तानाशाही से मुक्ति चाहती है। यूं भी ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की नाक में दम कर रखा है। चोरी-छुपे एटम बम बना रहा है। उसे रोकना तो पड़ेगा न। इस तरह के तर्क सुनकर मेरे कान पक चुके थे। अमरीका को ईरान के लोकतांत्रिक होने या न होने से रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता। सच यह है कि ईरान के पहले लोकतंत्र को खत्म करने का काम 1953 में अमरीका की सी.आई.ए. ने किया था। अमरीका ने ही ईरान पर राजशाही लादी थी, जिसके खिलाफ वहां इस्लामी क्रांति हुई थी। और जो भी बोले, अमरीका तो इस सवाल पर न ही बोले। इसमें कोई शक नहीं कि वहां इस्लाम के नाम पर जो शासन चल रहा है, उससे जनता में भारी असंतोष है। हाल ही में जनता ने विद्रोह किया था, जिसे ईरान की सरकार ने बेरहमी से कुचल दिया था। लेकिन क्या इससे अमरीका को वहां दखलअंदाजी का हक मिल जाता है? अमरीका का जब मन आए वेनेजुएला के राष्ट्रपति का अपहरण कर ले, जब चाहे ईरान के राष्ट्राध्यक्ष की हत्या कर दे। इसे हम कैसे देखते रह सकते हैं? मुझ जैसे लोगों को हमारी सरकार से लाख शिकायत है लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि उसकी आड़ लेकर कोई विदेशी ताकत भारत की जनता को मुक्त करवाने के नाम पर भारत पर हमला कर दे। सीधी बात है-ट्रम्प को यह मंजूर नहीं कि ईरान उसके सामने सिर उठाकर चले। इसलिए उसने जोर-जबरदस्ती से वहां सत्तापलट करवाने की ठान ली है। एटम बम की बात सरासर झूठ है। अमरीका का रक्षा मंत्रालय कबूल कर चुका है कि ईरान एटम बम बनाने से कोसों दूर है। पिछले साल ईरान पर हमला करने के बाद ट्रम्प ने खुद कहा था कि ईरान के एटमी कार्यक्रम को नेस्तनाबूद कर दिया गया है। ईरान और अमरीका के बीच मध्यस्थता करने वाले बहरीन के विदेश मंत्री ने साफ कहा है कि ईरान लिख कर देने को तैयार था कि वह अभी या भविष्य में कभी भी एटम बम नहीं बनाएगा। अगर अमरीका को चोरी-छुपे एटम बम की चिंता है तो उसे सबसे पहले इसराईल और पाकिस्तान पर हमला करना चाहिए, जिनके पास अवैध एटम बमों का जखीरा है। सच कहूं तो एटम बम रोकने की सारी बात ही पाखंडपूर्ण है। खुध्द दसियों हजार एटम बम रखने वाला अमरीका किस मुंह से दूसरों को पहला बम बनाने से रोक सकता है? कम से कम भारत तो इस पाखंड में शामिल न हो। जब तक हमारे एटम बम को दुनिया की मान्यता नहीं मिली थी, तब तक यही उपदेश हमें भी दिए जाते थे। और बाकी दुनिया को हम यही कहते थे-तुम कौन होते हो हमें सिखाने वाले। हमें तो ईरान के साथ खड़ा रहना चाहिए। कल तक हमारे प्रधानमंत्री ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंधों की दुहाई देते थे। पश्चिम एशिया के कुछेक देश जो आड़े वक्त हमारे काम आए थे, उनमें से ईरान एक है। चलिए खड़े होने की हिम्मत नहीं है तो कम से कम उनके राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर अफसोस तो जता सकते थे। इतना तो अमरीका की पिट्ठू पाकिस्तानी सरकार ने भी कह दिया। पता नहीं ट्रम्प के पास ऐसी क्या चाबी है कि मोदी जी सामान्य शिष्टाचार का बयान भी नहीं दे सकते। सच कहूं तो मुझे शर्म आती है। पहले हमारा देश गरीब था लेकिन सिर नहीं झुकाता था। अमरीका के सातवें बेड़े के सामने हमारी कोई ताकत नहीं थी लेकिन इंदिरा गांधी अमरीकी राष्ट्रपति निक्सन को दो-टूक जवाब दे सकती थी। क्या हो गया है हमारी दृष्टि और आदर्शों को? बस मेरे मुंह से आदर्श सुनते ही उन्होंने पलटवार किया था और जंजीर का गीत याद दिलाया था।

रंगोत्सव होली के सियासी और सांस्कृतिक मायने

भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। रंगपर्व होली भले ही भारतीय सभ्यता-संस्कृति से अनुप्राणित है, लेकिन गुलामी काल में यह पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के सामाजिक दुष्प्रभाव से भी यह अछूती नहीं बची है। आमतौर पर यह रंगोत्सव देश-दुनिया में हंसी ठिठोली का त्योहार समझा जाता है। इस दौरान आमलोगों में रंग-गुलाल खेलने के साथ-साथ मीठे पकवानों, नमकीन मांसाहारों और नशीले पदार्थों के सेवन जैसे (भांग), द्रव्य (शराब) और गैस (गांजा) का प्रयोग बहुतायत में देखने को मिलता है जिससे लोग झूम उठते हैं। आमतौर पर शुद्र यानी सेवक पर्व होली आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, जब घोर दुश्मन भी एक दूसरे के गले मिलने से नहीं हिचकते हैं। बदलते जमाने के अनुरूप लोकपर्व होली का रंगोत्सव भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व ब्रांडिंग का भी पर्याय बन चुका है। यह वसंत पर्व अब सामाजिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और चुनावी रणनीति का प्रतीक बन गया है। लोकतांत्रिक भारत में यह प्रवृत्ति वर्ष दर वर्ष गहराती जा रही है। खासकर 2026 में ही बिहार, यूपी और अन्य राज्यों में नेताओं के बड़बोले बयानों ने इसे और उभार दिया। इससे सांप्रदायिक विवाद को भी बढ़ावा मिला। जहां बीजेपी विधायकों और अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय से होली पर घर में रहने या नमाज स्थगित करने की अपील की, जिससे विपक्ष ने ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुड़दंगियों पर सख्ती का संदेश दिया, जबकि बिहार में शराबबंदी पर बहस ने इसे राजनीतिक रंग से जोड़ा। कहना न होगा कि अब ये बयान हिंदुत्व के सियासी एजेंडे को मजबूत करने की भरपूर कोशिश दिखाते हैं। इससे चुनावी रणनीति भी प्रभावित होती है। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौर में होली पर नेताओं ने रंग खेलकर वोटरों से जुड़ने की कोशिश की। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के होली बहिष्कार के ऐलान पर बीजेपी ने हिंदू विरोधी करार दिया। देखा जाए तो ऐसे विवाद आने वाले चुनावों में सामाजिक ध्रुवीकरण का हथियार बन सकते हैं। लिहाजा इन्हें काबू में करने के लिए पुख्ता प्रशासनिक इंतजाम किये गए हैं। खासकर राज्यों में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव, स्टंटबाजी और अराजकता रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। सिर्फ दिल्ली में ही 15,000 जवान, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर पूरे देश में ऐसी ही निगरानी की जा रही है। ऐसे में यह सब इस महत्वपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्ण बनाए रखने की चुनौती को भी दशार्ता है। भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यदि नजर डालें तो तो मौर्य काल से मुगल काल तक होली भव्यता से मनाई जाती थी, जहां अशोक और अकबर जैसे शासक खुद भी इसमें भाग लेते थे। तब भी यह सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का अवसर था, और आज भी यह जाति-वर्ग भेद मिटाकर सामाजिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश देता था। आज आधुनिक समय में भी होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनकर राजनीतिक संदेशों से जुड़ गया है। आधुनिक राजनीतिकरण की प्रवृत्ति में बीजेपी जैसे दल इसे हिंदू एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित करते हैं, जबकि विपक्ष बहिष्कार जैसे बयानों को ध्रुवीकरण बताता है। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़, बिहार में नेताओं के बयानों ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। चुनावी वर्षों में रंग खेलना वोटर जुड़ाव की रणनीति है। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो होली अब हुड़दंग या सांस्कृतिक एजेंडे से जोड़कर देखी जाती है, जो सामूहिकता को राजनीतिक लाभ में बदल देती है। यह प्रेम-एकता का संदेश देने के बजाय धार्मिक भावनाओं को उकसाने का माध्यम बन चुका है। खासकर नेताओं द्वारा होली पर रंग लगाने की परंपरा अब आधुनिक राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बन चुका है, जो भगवान श्रीकृष्ण द्वारा शुरू की गई पौराणिक रंग खेलने की प्रथा से अभिप्रेरित है। वर्तमान दौर में यह जनता से सीधा जुड़ाव बनाने और निज छवि सुधारने की रणनीति के तौर पर देखा जाने लगा है। पौराणिक आधार पर यदि गौर फरमाएं तो रंग लगाने की परंपरा द्वापर युग से कृष्ण-राधा लीला से जुड़ी है, जहां कृष्ण ने अपनी मां यशोदा के सुझाव पर राधा को रंग लगाकर समानता का संदेश दिया। इसलिए ब्रज क्षेत्र में यह प्रथा लोकप्रिय हुई, जो बाद में पूरे भारत में फैली है। प्राचीन काल में प्राकृतिक रंग जैसे टेसू के फूलों से शुरू हुई यह परंपरा सामाजिक एकता का प्रतीक बनी। बाद में राजनीतिक लोगों ने भी इसे अपनाना शुरू कर दिया।आजादी के बाद नेताओं ने इसे चुनावी लाभ के लिए अपनाया; पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी से लेकर वर्तमान नेता जैसे नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ तक रंग खेलकर जनसंपर्क बढ़ाने की परंपरा अनवरत रूप से जारी है। तमाम वृत्तांत पढ़े देखे सुने जा सकते हैं। 2026 में बिहार, यूपी में राज्यसभा चुनावों के दौरान चिराग पासवान जैसे नेताओं ने इसे वोटर जुड़ाव के हथियार बनाया। यह हिंदुत्व एजेंडे को मजबूत करने और ध्रुवीकरण का माध्यम भी बन गया। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो यह परंपरा दुश्मनी भुलाने का संदेश देती है, लेकिन सियासत में ध्रुवीकरण बढ़ाती है। नेताओं के रंग लगाने से पार्टी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ता है।

यह वसंत पर्व अब सामाजिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और चुनावी रणनीति का प्रतीक बन गया है। लोकतांत्रिक भारत में यह प्रवृत्ति वर्ष दर वर्ष गहराती जा रही है। खासकर 2026 में ही बिहार, यूपी और अन्य राज्यों में नेताओं के बड़बोले बयानों ने इसे और उभार दिया। इससे सांप्रदायिक विवाद को भी बढ़ावा मिला। जहां बीजेपी विधायकों और अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय से होली पर घर में रहने या नमाज स्थगित करने की अपील की, जिससे विपक्ष ने ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुड़दंगियों पर सख्ती का संदेश दिया, जबकि बिहार में शराबबंदी पर बहस ने इसे राजनीतिक रंग से जोड़ा। कहना न होगा कि अब ये बयान हिंदुत्व के सियासी एजेंडे को मजबूत करने की भरपूर कोशिश दिखाते हैं। इससे चुनावी रणनीति भी प्रभावित होती है। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौर में होली पर नेताओं ने रंग खेलकर वोटरों से जुड़ने की कोशिश की। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के होली बहिष्कार के ऐलान पर बीजेपी ने हिंदू विरोधी करार दिया। देखा जाए तो ऐसे विवाद आने वाले चुनावों में सामाजिक ध्रुवीकरण का हथियार बन सकते हैं। लिहाजा इन्हें काबू में करने के लिए पुख्ता प्रशासनिक इंतजाम किये गए हैं। खासकर राज्यों में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव, स्टंटबाजी और अराजकता रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। सिर्फ दिल्ली में ही 15,000 जवान, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर पूरे देश में ऐसी ही निगरानी की जा रही है। ऐसे में यह सब इस महत्वपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्ण बनाए रखने की चुनौती को भी दशार्ता है। भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यदि नजर डालें तो तो मौर्य काल से मुगल काल तक होली भव्यता से मनाई जाती थी, जहां अशोक और अकबर जैसे शासक खुद भी इसमें भाग लेते थे। तब भी यह सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का अवसर था, और आज भी यह जाति-वर्ग भेद मिटाकर सामाजिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश देता था। आज आधुनिक समय में भी होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनकर राजनीतिक संदेशों से जुड़ गया है। आधुनिक राजनीतिकरण की प्रवृत्ति में बीजेपी जैसे दल इसे हिंदू एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित करते हैं, जबकि विपक्ष बहिष्कार जैसे बयानों को ध्रुवीकरण बताता है। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़, बिहार में नेताओं के बयानों ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है।

सी.बी.आई: अपने आका की आवाज, सांठगांठ का ब्यूरो

पूनम आई. कौशिश

मध्य -पूर्व में ईरान के विरुद्ध अमरीका और इसराईल द्वारा युद्ध छेडने के बाद सारे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है, तो भारत में भाजपा और आप सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित 23 आरोपियों को दिल्ली आबकारी नीति 2021 के मामले में अनियमितता और रिश्वतखोरी में भूमिका के लिए उन्हें बरी करने से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। स्पष्ट रूप से सी.बी.आई. इस निर्णय से असहमत है और वह अपील करेगी किंतु अभी तक 2009 के 2जी घोटाले में अंतिम निर्णय नहीं आया और यह अभी उच्च न्यायालय में ही पड़ा है। किंतु यह महत्वपूर्ण नहीं है। कोई भी समाज षड्यंत्र, अपराध और भ्रष्टाचार से ऊपर नहीं है। अमरीका ने एपस्टीन फाइल खोली। इस मामले में केजरीवाल की आप कठघरे में थी, जिससे उनकी पार्टी को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। पद पर रहते हुए किसी मुख्यमंत्री को जेल भेजा गया और यही पिछले वर्ष दिल्ली विधानसभा चुनावों में मुख्य मुद्दा बना, जिसमें भाजपा की जीत हुई। इससे स्पष्ट होता है कि हमारे राजनेता हमेशा सी.बी.आई. जांच की मांग क्यों करते हैं। जो नेता सत्ता में होते हैं वे एजैंसी को अपनी उंगलियों पर नचाते हैं। यह एक दंतविहीन शेर है जो अपने मित्रों की सहायता करता है और विरोधियों के साथ राजनीतिक हिसाब चुकता करता है, क्लीन चिट देता है, राजनीतिक लीपापोती करता है और कानून प्रवर्तकों को कानून तोडने वाला और अपराध तथा भ्रष्टाचार को वैध बनाता है। ऐसे अनेक आरोप हैं कि एजैंसी का उपयोग किस तरह राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और दबाने के लिए किया जाता है, चाहे कांग्रेस की सरकार में हो या मोदी सरकार में। राजनीतिक विरोधियों पर छापे डाले जाते हैं और इसमें प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग एजैंसी के सहयोगी बन जाते हैं। प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाती है, घंटों तक पूछताछ की जाती है, चार्जशीट बनाई जाती है। महत्वपूर्ण मामले में धीमी कार्रवाई की जाती है, जांच में गड़बड़ी की जाती है या उसे अधूरा छोड़ दिया जाता है या बिल्कुल नहीं की जाती। परिणामस्वरूप होता यह है कि अंततरू सी.बी.आई. मामले को सिद्ध नहीं कर पाती। यदि ऐसे मामले में आरोपी मान जाता है तो दबाव कम कर दिया जाता है और यदि नहीं मानता तो दबाव बढ़ा दिया जाता है। दुखद तथ्य यह है कि आज व्यवस्था ऐसी हो गई है कि जो भी दल सत्ता में आता है, सी.बी.आई. उसकी कठपुतली बन जाती है। अपने विरोधियों को दबाने के लिए सी.बी.आई. का दुरूपयोग किया जाता है, चाहे कोई भी दल सत्ता में हो। देश के 19 राज्यों में विभिन्न अदालतों में सांसदों और विधायकों के विरुद्ध 3211 मामले लंबित हैं। इनमें कुछ ऐसे मामले भी हैं, जिनकी जांच सी.बी.आई. द्वारा की जा रही है। इससे एजैंसी की प्रतिष्ठा खराब हुई है क्योंकि वह आरोपों के समर्थन में अपेक्षित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाती। इससे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की उसकी ईमानदारी और विश्वसनीयता पर भी आशंकाएं पैदा होती हैं। सी.बी.आई. जांच में मुख्य बात यह होती है कि हमेशा कहा जाता है कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, किंतु सत्तारूढ़ वर्ग द्वारा अपने राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध सी.बी.आई. को एक औजार बनाया जाता है। जब एजैंसी धनशोधन निवारण अधिनियम के कठोर प्रावधानों को लागू करती है तो यह अपेक्षा की जाती है कि ठोस साक्ष्य होंगे और मामला भी ठोस बनाया जाएगा। किंतु जब ये मामले न्यायालय में विचारण से पहले ही गिर जाते हैं तो इससे राजनीतिक उद्देश्यों के बारे में प्रश्न उठते हैं। समय आ गया है कि सी.बी.आई. जांच के उच्च मानक स्थापित करे। उसे यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि उसे न केवल कानून से, अपितु जनता के विश्वास से भी शक्ति मिलती है और जब वह गलत या स्वार्थ प्रेरित जांच करती है तो इससे संस्थागत विश्वसनीयता भी समाप्त होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच नहीं होनी चाहिए या हमारे नेताओं को विशेष छूट मिलनी चाहिए। वास्तविकता यह है कि जवाबदेही अपरिहार्य है। किंतु इसके लिए सी.बी.आई. को पारदर्शी ढंग से कार्य करना होगा और कानूनी रूप से उचित प्रमाण और साक्ष्य जोडने होंगे। उसे अपने राजनीतिक माई-बाप के इशारों पर न तो कार्य करना चाहिए और न ही ऐसा दिखना चाहिए कि वह उसके इशारे पर कार्य कर रही है क्योंकि ऐसी धारणा से जनता का कानून के शासन में विश्वास कमजोर होता है और भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद होते हैं। गत वर्षों में विभिन्न सरकारें सी.बी.आई. को स्वायत्तता देने और उसके कार्यकरण में सुधार की बात करती रही हैं, किंतु दुर्भाग्यवश अभी तक ऐसा नहीं हो सका। ऐसी स्थिति बन गई है कि जवाबदेही सुनिश्चित करने की बजाय सी.बी.आई. को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे से बाहर रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर शासन में पारदध्शता की बातें करते हैं। समय आ गया है कि अब इन बातों को लागू किया जाए और सी.बी.आई. को स्वतंत्र एजैंसी बनाया जाए, जहां पर वह अपने आका की आवाज न बने और शक्ति का दुरूपयोग न करे। न्यायालय का संदेश स्पष्ट है कि न्याय में देरी हो सकती है, किंतु इससे वंचित नहीं रखा जाना चाहिए। अब गेंद सरकार के पाले में है। क्या सी.बी.आई. सरकार द्वारा निर्देशित होगी या कानून द्वारा?

जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनका भी इतिहास

अरविन्द मोहन

वैसे तो दुनिया में अभी भी पांच-छह युद्ध जारी है और उनकी गंभीरता को कम नहीं माना जा सकता। लेकिन ईरान पर इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद लड़ाई ने जो स्वरूप लिया है वह भयावह है और विश्वयुद्ध ज्यादा दूर नहीं लगता और पुराने दो विश्वयुद्धों से अलग बात यह है कि यह यूरोप की जमीन पर होने की जगह एशिया को अखाड़ा बनाए हुए है और अमेरिका दूर बैठा सारे तमाशे कर रहा है। अभी हमारे ऊपर सीधा हमला नहीं हुआ है न हमारी सीधी भागीदारी है लेकिन अर्थव्यवस्था, राजनयन, इतिहास, संस्कृति और समाज से लेकर हर स्तर पर हमारी इस इलाके से ऐसी भागीदारी है कि हम इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। एक तो यह हमारे पास है। दूसरे करीब एक करोड़ भारतीय इस इलाके के उन देशों में रहकर काम करते हैं जहां युद्ध अपने पूरे रौद्र रूप में शुरू हो चुका है। उनकी कमाई और रोजी-रोटी से ज्यादा उनकी जान की बन आई है और उनसे जुड़े हिन्दुस्तानी परिवारों और पूरे हिन्दुस्तान में बेचौनी महसूस की जा रही है। फिर तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है जिसका असर कितना और कैसा होगा इसकी कल्पना मुश्किल है। जंगी विस्फोटों और तेल तथा गैस के ठिकानों से होने वाले प्रदूषण का असर भी कहीं एक जगह भर नहीं रुकेगा। जंग वैसे भी कितने स्थायी दोस्त और उससे ज्यादा दुश्मन बना देता है। भारत ने युद्ध के अरब देशों में पसरने और ईरान द्वारा अमेरिकापरस्त अरब देशों के ठिकानों पर आक्रमण करने के बाद शांति और अयुद्ध के पक्ष में बयान दिया है लेकिन अभी भी काफी सारे लोगों को इंतजार ही है कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके साथियों की हत्या की निंदा करे, ईरान पर इजरायली हमले और अमेरिकी दखल की निंदा करे। उसके बगैर उसका बयान अधूरा है और यही गिना जाएगा कि वह इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई के पक्ष में है। इसमें यह तथ्य और जुड़ जाएगा कि हमले से ठीक पहले हमारे प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा होती है और वहां की संसद को संबोधित करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन जाते हैं। वैसे भी भाजपा और संघ इजरायल का पक्षधर रहा है। अनेक समझौतों के साथ वह गर्मजोशी भी इसी पक्ष में गईं ली जाएगी जो मोदी और नेतन्याहू के बीच दिखी। इस बीच भारत ने मुश्किल ठिकानों पर फंसे हिंदुस्तानियों को स्वदेश लाने का काम जरूर शुरू कर दिया है। लेकिन जब संख्या करोड़ के आसपास हो तो यह काम कैसा और कितना मुश्किल है यह भी कल्पना की जा सकती है। जंग शुरू करने के पीछे अमेरिका या इजरायल की मंशा ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना या उसके परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करना है। इस थ्योरी को आज कोई नहीं मानता, बल्कि अभी तक ईरान पर जो हमले हुए हैं उनमें स्कूल तो निशाने पर आये हैं लेकिन किसी परमाणु ठिकाने का नंबर नहीं आया है और अभी तक ईरान का जो रवैया है और ईरानी आमजन में जो प्रतिक्रिया है उससे लगता नहीं कि वह बहुत आसानी से हथियार डालेगा या अमेरिका आसानी से उसके यहां वेनेजुएला जैसा सत्ता परिवर्तन करा लेगा। लगभग पचास साल से सत्ता पर काबिज मौजूदा सैनिक और धार्मिक जमात का ईरानी गठजोड़ वैसे भी इतना मजबूत बन चुका है कि वह किसी 86 साल के बूढ़े नेता के न रहने के चलते बिखरने वाला नहीं है। अमेरिका ईरान में अपने सैनिक या सहयोगी सैनिक भेजकर वहां की लड़ाई में टिक पाएगा इसकी गुंजाइश भी नहीं लगती। वैसे भी अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन कराने का खेल खेलकर मात खा चुका है। यह लड़ाई कभी औरतों के नाम पर होती है कभी लोकतंत्र के नाम पर। अब वह सीधे जंग में उतरने के बाद ये नाम भी नहीं ले सकता और वियतनाम से लेकर दुनिया भर के अनुभव बताते हैं कि वह इतने नाराज देश की सरजमीं पर कदम भी रखने से बचेगा। वह बाहरी खेल से सत्ता परिवर्तन जरूर चाहेगा। हमारे लिए ईरान और खामेनेई के पक्ष में बयान भी न दे पाने की वजह ईरानी शासन का अभी तक चला स्वरूप ही है। इसमें भाजपा का इजरायल और मुसलमान श्प्रेमश तो कारण है ही प्रधानमंत्री की ट्रम्प से श्मैत्रीश भी एक कारण है। लेकिन सच कहें तो सबसे बड़ा कारण ईरान शासन का अब तक का रिकार्ड भी है जो सही मतलब में लोकतंत्र और औरतों या दूसरे पंथों के खिलाफ रहा है। लेकिन इन सबके बावजूद इसी सरकार ने उससे व्यापारिक और अन्य संबंध रखे थे, प्रधानमंत्री वहां दौरा भी कर आये थे। और चाबहार बंदरगाह वाली संधि करके फूले न समाते थे पर उससे भी बड़ी बात यह है कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान का कसूर कम हो गया है और इजरायल तथा अमेरिका का कसूर प्रमुख बन गया है। ऐसा भी हो गया है कि आज ईरान खाड़ी के आधा दर्जन से ज्यादा अमेरिकापरस्त देशों के नागरिक ठिकानों पर सीधे हमला करने की गलती कर रहा है तब भी उसका कसूर कम लगता है। जिस बेहयाई और बर्बर ढंग से उसके शासन प्रमुख की हत्या की गई है और उसके यहां हमले हो रहे हैं उसमें हर जवाबी कार्रवाई को श्उचितश बताने के पर्याप्त तर्क मौजूद हैं। इसलिए भारत द्वारा शांति, अयुद्ध और स्थिरता के पक्ष में बयान देना सही हो सकता है लेकिन यह अपर्याप्त है।

सोनिया की सही सलाह

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल द्वारा छेड़ा गया युद्ध अब गंभीर मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। इसमें फिलहाल तसल्ली इसी बात की नजर आ रही है कि आशंकाओं के विपरीत अब विश्वयुद्ध जैसे हालात नहीं बने हैं। नाटो देशों ने इस युद्ध से एक दूरी बनाई है, जिससे युद्ध का दायरा वैश्विक स्तर पर नहीं बढ़ रहा है। हालांकि इजरायल ने ईरान का साथ देने वाले हिज्बुल्ला पर हमला बोलने के लिए लेबनान पर ही मिसाइलें दागना शुरू किया है। जबकि लेबनान खुद हिज्बुल्ला के साथ नहीं है। मगर युद्धपिपासु नेतन्याहू अपने आक्रमणों का दायरा बढ़ाते जा रहे हैं। वहीं अमेरिका की भी कोशिश यही है कि किसी भी तरह उसे बाकी देशों का साथ मिले। फ्रांस, इटली, ब्रिटेन जैसे देश साफ कर चुके हैं कि उन्हें इस युद्ध का सहभागी बनने में कोई रुचि नहीं है। वहीं कई देश ऐसे हैं, जिन्होंने न ईरान न इजरायल और अमेरिका किसी की भी तरफ झुकाव दिखाया, लेकिन दोनों पक्षों से युद्ध रोकने की अपील की। मगर नरेन्द्र मोदी ने पहले दिन से इजरायल और अमेरिका के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी। जिस पर विपक्ष ने सवाल उठाए तो भाजपा की पूरी ब्रिगेड नरेन्द्र मोदी के बचाव में उतर गई और साथ ही सोशल मीडिया की सेना भी इस काम में लगा दी गई है। ईरान में अयातुल्लाह खामेनेई के कारण महिलाओं को कितना दबाया जा रहा था, उनके अधिकारों का हनन हो रहा था, स्त्रियां सुरक्षित नहीं थीं, ऐसे तमाम आरोपों के साथ वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या ईरान की महिलाओं की चिंता करने वालों ने अपने देश में मनुस्मृति को पूरी तरह भुला दिया है, जिसने स्त्री अधिकारों को हर तरह से खारिज किया है। रहा सवाल ईरानी सरकार से वहां की जनता की नाराजगी का, तो उसे बनाए रखना या सत्ता से हटाना या उसके खिलाफ आंदोलन करना या उसके फैसलों को चुपचाप बर्दाश्त करना, यह सब केवल और केवल उसी का अधिकार है। इसमें अमेरिका या इजरायल का तो कोई लेना-देना ही नहीं होना चाहिए। मगर भाजपा यही साबित कर रही है कि ईरान पर आक्रमण करना सही था। विदेश नीति में किए गए इस आमूलचूल बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस सांसद और संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी का एक आलेख मंगलवार को श्इंडियन एक्सप्रेसश में प्रकाशित हुआ, जिसमें उन्होंने लिखा कि एक मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता की हत्या एक दिन पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए लक्षित हमलों में हुई। यह हत्या तब हुई जब वाताएं जारी थीं। सोनिया गांधी ने कहा कि किसी सत्तारूढ़ राष्ट्राध्यक्ष की इस तरह की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर विघटन का संकेत है। उन्होंने इस पूरे मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग की। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि भारत सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरूआत में अमेरिका-इजरायल के हमलों का उल्लेख किए बिना केवल ईरान की संयुक्त अरब अमीरात पर जवाबी कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में प्रधानमंत्री ने गहरी चिंता जताई और संवाद और कूटनीति की सामान्य बात कही, जबकि हमलों से पहले यही प्रक्रिया जारी थी। सोनिया गांधी ने अपने लेख में संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का जिक्र किया। उनके मुताबिक, बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या करना उस भावना के विपरीत है, जो किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक लगाती है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसे मामलों में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांत आधारित आपत्ति दर्ज नहीं होती, तो अंतरराष्ट्रीय मानकों का क्षरण सामान्य होता जाएगा। सोनिया गांधी ने यह भी लिखा कि जब वैश्विक दक्षिण के कई देश और ब्रिक्स साझेदार दूरी बनाए हुए थे, उस समय भारत का यह रुख गलत संदेश दे सकता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। नरेन्द्र मोदी या भाजपा में उनके आज के सलाहकारों की लोकतंत्र में जरा सी भी आस्था होती तो सोनिया गांधी के इन विचारों पर गौर किया जाता। मगर अब उल्टा उन्हीं पर आक्रमण शुरू हो गए हैं। एक नेता ने कहा कि हमें विदेश नीति आपसे सीखने की जरूरत नहीं है, आप अपनी पार्टी संभालिए, जिसे लगातार हार मिल रही है। वहीं एक अन्य नेता ने याद दिलाया कि पं. नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी गुटनिरपेक्षता पर चल रहे थे और अब भी वही हो रहा है।

ईरान के स्कूल पर इजराइली-अमेरिकी हमले की अखिलेश ने बताया निंदनीय

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर इजराइली-अमेरिकी हमले की निंदा की। इस हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी। यादव ने ईरान के मीनाब शहर के एक स्कूल पर सबसे घातक इजराइली-अमेरिकी हमलों की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 165 छात्राओं की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सपा दोनों घटनाओं की कड़ी निंदा करती है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। यादव ने कहा, श्रिज्नेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानून, जो संघर्ष के समय में भी मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, ऐसे कृत्यों से गंभीर रूप से खतरे में हैं। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं और शोक संतप्त सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ईरान में अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आने के बाद एक मार्च से लखनऊ, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, रायबरेली सहित उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए हैं।

क्या आपके बच्चे की नाक से भी बार-बार खून आता है, न लें हल्के में

बच्चों की नाक से अचानक खून निकलना कई बार माता-पिता को घबरा देता है। हालांकि ज्यादातर मामलों में यह कोई गंभीर समस्या नहीं होती। डॉक्टरों के अनुसार बच्चों में नाक से खून आने की समस्या को म्चपेजंॐपे कहा जाता है। यह आमतौर पर नाक के अंदर मौजूद बहुत पतली और संवेदनशील रक्त नलिकाओं के फटने से होता है। हालांकि अगर यह समस्या बार-बार होने लगे या खून लंबे समय तक बंद न हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे मामलों में सही कारण जानना और समय पर डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आइए समझते हैं कि बच्चों के नाक से खून आने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं और कब यह समस्या खतरनाक बन सकती है।

बच्चों की नाक से खून आने के मुख्य कारण

नाक में बार-बार उंगली डालना

छोटे बच्चे अक्सर खेलते-खेलते या आदत के कारण नाक में उंगली डाल लेते हैं। ऐसा करने से नाक के अंदर की पतली झिल्ली को नुकसान पहुंच सकता है। नाक के अंदर बहुत महीन रक्त नलिकाएं होती हैं जो हल्की सी चोट से भी फट सकती हैं। यही वजह है कि उंगली डालने के बाद कई बार बच्चों की नाक से खून निकलने लगता है।

मौसम में बदलाव और सूखापन

मौसम बदलने पर भी बच्चों में नाक से खून आने की समस्या बढ़ जाती है। खासकर सर्दियों या बहुत गर्म और सूखे मौसम में नाक के अंदर की त्वचा सूख जाती है। जब नाक की अंदरूनी परत ज्यादा सूखी हो जाती है तो हल्की सी रगड़ या छींक आने पर भी खून निकल सकता है।

एलर्जी या सर्दी-जुकाम

अगर बच्चे को बार-बार सर्दी-जुकाम या एलर्जी की समस्या रहती है, तो भी नाक से खून आ सकता है। लगातार छींकने या नाक साफ करने से नाक की झिल्ली संवेदनशील हो जाती है। इससे अंदर की नसों पर दबाव पड़ता है और खून निकलने की संभावना बढ़ जाती है।

नाक पर चोट लगना

कई बार खेलते समय या गिरने की वजह से बच्चों की नाक पर चोट लग जाती है। ऐसी स्थिति में नाक के अंदर की रक्त नलिकाएं टूट सकती हैं और खून निकलने लगता है। अगर चोट ज्यादा गंभीर हो तो खून कुछ समय तक लगातार भी आ सकता है।

बच्चे की नाक से खून आए तो क्या करें?

अगर अचानक बच्चे की नाक से खून निकलने लगे तो घबराने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले बच्चे को आराम से बैठाएं और उसका सिर थोड़ा आगे की ओर झुका दें। इसके बाद नाक के नरम हिस्से को हल्के से 5 से 10 मिनट तक दबाकर रखें। इससे अक्सर खून रुक जाता है। बच्चे को मुंह से सांस लेने के लिए कहें और उसे शांत रखें। नाक पर ठंडी पट्टी या बर्फ रखने से भी रक्त नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं और खून रुकने में मदद मिलती है।

कब हो सकती है यह समस्या खतरनाक?

हालांकि अधिकतर मामलों में नाक से खून आना सामान्य होता है, लेकिन कुछ स्थितियों में इसे गंभीर माना जा सकता है। अगर बच्चे की नाक से बार-बार खून आने लगे या काफी देर तक बंद न हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। इसके अलावा अगर नाक के साथ-साथ मुंह से भी खून आने लगे, बच्चे को चक्कर आने लगे, कमजोरी महसूस हो या किसी चोट के बाद लगातार खून बह रहा हो, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में तुरंत मेडिकल जांच कराना जरूरी है। बच्चों की नाक से खून आना आमतौर पर सामान्य समस्या होती है और अक्सर मौसम, सूखापन या नाक में उंगली डालने जैसी आदतों के कारण होता है। लेकिन अगर यह समस्या बार-बार हो रही है या खून लंबे समय तक रुक नहीं रहा, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

होली की अगली सुबह बॉडी डिटॉक्स करना जरूरी, ये ड्रिंक्स करेंगी लिवर-गट क्लीन

होली का त्योहार देशभर में खुशियों और उल्लास के साथ मनाया गया। हम सबने पक्का तली-भुनी चीजें, मिठाइयां-पकवान, ठंडाई का खूब सेवन किया होगा। बीते दो-तीन दिनों में त्योहारी सीजन के खान-पान के कारण हमारे पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ जाता है। चीनी, रिफाइंड काबोर्हाइड्रेट और फैट वाली चीजें ज्यादा खाने से पाचन तंत्र धीमा पड़ जाता है जिसके कारण होली के बाद अक्सर लोगों को गैस, एसिडिटी, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं का शिकायत होती है। त्योहार के दिनों में अक्सर हम ओवरईटिंग भी कर लेते हैं जिससे लिवर और गट को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। खान-पान में गड़बड़ी के कारण शरीर में टॉक्सिन बढ़ने का खतरा भी रहता है जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। यही कारण है कि होली के अगले दिन सभी लोगों को अच्छे से बॉडी डिटॉक्स करने की सलाह दी जाती है।

गड़बड़ खान-पान के बाद बॉडी डिटॉक्स

आहार विशेषज्ञ पारुल शर्मा कहती हैं, गड़बड़ खान-पान के कारण लिवर को टॉक्सिन्स और अतिरिक्त फैट को प्रोसेस करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। त्योहारी सीजन में तली-भुनी, ज्यादा मीठी चीजें हम सभी खा ही लेते हैं। हालांकि इसके बाद खानपान और हाइड्रेशन से इन अंगों को सपोर्ट देना जरूरी है।

होली के अगले दिन बॉडी को हल्का और एनर्जेटिक रखने के लिए बॉडी डिटॉक्स करना जरूरी है। कुछ ड्रिंक्स इसमें काफी मददगार हो सकते हैं।

सबुह गुनगुना नींबू पानी

होली की अगली सबुह गुनगुना पानी में ताजा नींबू मिलाकर पीने के साथ दिन की शुरूआत करे। लिवर और गट हेल्थ के लिए ये सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। नींबू में विटामिन-सी और फ्लेवोनॉयड्स होते हैं, जो एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं और कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। सुबह खाली पेट पानी पीने से पाचन तंत्र सक्रिय होता है और आंतों की कार्यक्षमता बेहतर होती है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है, जिससे किडनी और लिवर बेहतर तरीके से डिटॉक्स भी करता है।

सबसे खूबसूरत सूर्योदय-सूर्यास्त देखना है? भारत की ये 5 जगहें हैं परफेक्ट

सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा देखने के लिए भारत में कुछ जगहें शानदार हैं। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी हैं और ट्रैवल का शौक रखते हैं, तो भारत की इन जगहों पर सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा जरूर देखना चाहिए। भारत में प्राकृतिक सुंदरता की कोई कमी नहीं है। प्रकृति के सबसे सुंदर पलों में से एक है सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य। जब सूरज धीरे-धीरे आसमान में उगता है या शाम को क्षितिज में ढलता है, तो पूरा आसमान लाल, नारंगी और सुनहरे रंगों से भर जाता है। भारत में कई ऐसी जगहें हैं जहां यह नजारा इतना खूबसूरत होता है कि लोग इसे देखने के लिए दूर-दूर से आते हैं। अगर आप यात्रा के दौरान कुछ खास और यादगार पल देखना चाहते हैं, तो इन जगहों पर सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा जरूर देखें। यह अनुभव न सिर्फ आपकी यात्रा को खास बना देगा, बल्कि जीवनभर याद भी रहेगा। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी हैं और ट्रैवल का शौक रखते हैं, तो भारत की इन जगहों पर सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा जरूर देखना चाहिए।

कन्याकुमारी, तमिलनाडु

भारत के दक्षिणी छोर पर स्थित कन्याकुमारी सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यहां तीन समुद्र अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर मिलते हैं। समुद्र के बीच

से उगता सूरज और शाम को डूबता सूरज बेहद शानदार दिखाई देता है।

माउंट आबू, राजस्थान

राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू भी सूर्यास्त के लिए काफी मशहूर है। यहां का सनसेट पॉइंट पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है। पहाड़ों के बीच ढलते सूरज का दृश्य बेहद मनमोहक लगता है

दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल

दार्जिलिंग में टाइगर हिल से सूर्योदय का नजारा दुनिया के सबसे खूबसूरत दृश्यों में से एक माना जाता है। जब सूरज की पहली किरणें कंचनजंगा की बर्फीली चोटियों पर पड़ती हैं, तो पूरा दृश्य सुनहरा हो जाता है।

वाराणसी, उत्तर प्रदेश

वाराणसी के घाटों पर गंगा नदी के किनारे सूर्योदय देखना एक अनोखा अनुभव होता है। सुबह-सुबह गंगा के ऊपर उगते सूरज की रोशनी और मंदिरों की घंटियों की आवाज मिलकर एक आध्यात्मिक माहौल बना देती है।

ऊटी, तमिलनाडु

ऊटी की पहाड़ियों से सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों का नजारा बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। हरियाली से घिरी घाटियों के बीच से उगता और ढलता सूरज प्रकृति की अद्भुत सुंदरता को दर्शाता है।

जैसलमेर, राजस्थान

थार रेगिस्तान में सूर्यास्त का दृश्य देखने के लिए जैसलमेर एक शानदार जगह है। सुनहरी रेत के टीलों के बीच डूबता सूरज किसी फिल्मी दृश्य जैसा लगता है।

लेह-लद्दाख

लद्दाख की पहाड़ियों में सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य बेहद खास होता है। यहां सूरज की रोशनी पहाड़ों और झीलों पर पड़कर अद्भुत रंग बिखेरती है, जो देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

अंडमान के समुद्र तटों पर सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों का दृश्य बेहद शांत और खूबसूरत होता है। साफ नीले पानी और सुनहरी रेत के साथ सूरज का यह नजारा किसी स्वर्ग जैसा महसूस होता है।

कोरोना तो गया लेकिन बच्चों की सेहत पर छोड़ गया गहरा असर, सामने आई चौंकाने वाली रिपोर्ट

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए लंबे समय तक लॉकडाउन लगाए गए, स्कूल बंद रहे और बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन हो गई। इस बदलाव का असर सिर्फ शिक्षा पर ही नहीं बल्कि बच्चों के मानसिक और मस्तिष्क विकास पर भी पड़ा। इसको लेकर हाल ही में जो रिपोर्ट सामने आई है उसने सभी लोगों को अलर्ट कर दिया है। साल 2020 के शुरूआती दिनों में जब पहली बार लोगों ने नोवेल कोरोनावायरस के बारे में सुना तो कभी इस बात की कल्पना नहीं की गई थी कि ये वायरस दुनिया के लिए इतनी बड़ी मुसीबत बनकर आ रहा है। कोरोनावायरस के तमाम वैरिएंट्स ने सेहत के लिए गंभीर खतरे तो पैदा ही किए, साथ ही महामारी से उपजी परिस्थितियों का भी लोगों की सेहत पर नकारात्मक असर हुआ। कुछ मामलों में ये इतना व्यापक रहा कि कोरोना का खतरा कम होने के वर्षों बाद भी इसके दुष्प्रभाव देखे जा रहे हैं। इतना ही नहीं विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि कुछ लोगों को इसका असर जीवनभर के लिए झेलना पड़ सकता है। कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया की जीवनशैली को बदल दिया। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए लंबे समय तक लॉकडाउन लगाए गए, स्कूल बंद रहे और बच्चों की पढ़ाई-कामकाज ऑनलाइन हो गया। इस बदलाव का असर सिर्फ शिक्षा पर ही नहीं बल्कि बच्चों के मानसिक और मस्तिष्क विकास पर भी पड़ा। इसी से संबंधित जर्नल चाइल्ड डेवलपमेंट में प्रकाशित अध्ययन की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है कि कोविड लॉकडाउन ने कई बच्चों के दिमागी विकास को हमेशा के लिए रोक सा दिया। इसका असर ये है कि उन्हें लंबे समय तक व्यवहार से जुड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

बचपन पर रहा कोरोना महामारी का साया

विशेषज्ञों ने कहा, बचपन वह समय होता है जब दिमाग तेजी से विकसित होता है। बच्चों का सामाजिक संपर्क, खेल-कूद और स्कूल का माहौल इस विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि महामारी के दौरान जब बच्चे लंबे समय तक घरों में बंद रहे, दोस्तों से दूर रहे और स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने लगे, तो इसका असर उनकी संज्ञानात्मक क्षमता, व्यवहार और भावनात्मक स्वास्थ्य पर देखने को मिला। इस रिपोर्ट में यही चिंता जताई गई है कि महामारी के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के कारण अब तक बच्चों में इसका असर देखा जा रहा है।

दुनियाभर में बड़ी संख्या में बच्चों में ध्यान की कमी, तनाव-चिंता और सीखने की क्षमता में गिरावट जैसे लक्षण महामारी के पहले की तुलना में अब काफी बढ़ गए हैं।

लॉकडाउन का सेहत पर क्या असर हुआ?

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन का लोगों की सेहत पर क्या असर हुआ? इसे समझने के लिए किए गए एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि महामारी के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों का असर ऐसा देखा जा रहा है, जो लोगों की जीवनभर प्रभावित करने वाला हो सकता है। यूके की यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के रिपोर्ट के मुताबिक महामारी ने बच्चों के व्यवहार को कंट्रोल करने, फोकस बनाए रखने और नई परिस्थितियों में ढलने की क्षमता को कम कर दिया है।

मार्च 2020 में जब पहला लॉकडाउन शुरू हुआ, उस समय जो बच्चे तीन से पांच साल के थे, उनकी ब्रेन पर इसका सबसे ज्यादा असर देखा जा रहा है।

इस उम्र में बच्चे आम तौर पर सोशलाइज करना, लोगों से संबंध बनाना और परिस्थितियों में ढलना सीखते हैं।

हालांकि महामारी और लॉकडाउन के कारण लाखों बच्चों को घर पर रहने और ऑनलाइन शिफ्ट होने से ये सभी स्किल बुरी तरह से प्रभावित हुईं।

बच्चों की दिमागी क्षमता पर देखा जा रहा है असर

इस ग्रुप के बच्चे अब लगभग 10 से 11 साल के हैं। इन बच्चों का सेल्फ-रेगुलेटरी यानी अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने या विपरीत परिस्थितियों में खुद को ढालने की क्षमता काफी कम हो गई है। ऐसे बच्चों की कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी का स्कोर भी कम देखा गया। कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी मस्तिष्क की वह क्षमता है जिससे हम विभिन्न विचारों, परिस्थितियों या कार्यों के बीच आसानी से सामंजस्य बिठाते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया में साइकोलॉजी के प्रोफेसर डॉ जॉन स्पेंसर कहते हैं, जो बच्चे देश बंद के समय घरों में बंद रहने को मजबूर थे, उनमें अगले कुछ वर्षों में प्रीस्कूल में पढ़ने वाले अन्य बच्चों की तुलना में जरूरी सेल्फ-रेगुलेशन और कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी स्किल्स में बहुत कमी देखी जा रही है। इस ग्रुप में कई बच्चों पर संक्रमण का भी असर हुआ। जिससे बीमारी के असर ने उनकी सोशल स्किल्स को और भी प्रभावित कर दिया है। कई विशेषज्ञों का ये भी मानना है कि रील्स बनाने वली सोशल मीडिया साइट्स पर 'हमेशा स्वाइप करने वाले नेचर' ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। रिसर्च में शामिल माता-पिता का भी कहना है कि कोविड लॉकडाउन का बच्चों की सोशल और इमोशनल स्किल्स पर 'बहुत बुरा' असर डाला है।

यूरिक एसिड कंट्रोल करना है तो डाइट में शामिल करें ये देसी चटनी

आजकल गलत खानपान, कम पानी पीना और फिजिकल एक्टिविटी की कमी के कारण कई लोगों में यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या देखने को मिल रही है। जब शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो जोड़ों में दर्द, सूजन और गठिया जैसी दिक्कतें शुरू हो सकती हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो दवाइयों के साथ-साथ खानपान में कुछ बदलाव करना जरूरी है।

आयुर्वेद और घरेलू उपायों में कुछ ऐसी चीजें बताई गई हैं, जो शरीर से अतिरिक्त यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद कर सकती हैं। इन्हीं में से एक है धनिया-पुदीना और लहसुन से बनी हेल्दी चटनी।

क्यों बढ़ता है यूरिक एसिड?

यूरिक एसिड हमारे शरीर में प्यूरीन नामक तत्व के टूटने से बनता है। प्यूरीन कुछ खाद्य पदार्थों में ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जैसे रेड मीट, सीफूड, दालों की अधिक मात्रा, शराब और प्रोसेस्ड फूड। जब किडनी यूरिक एसिड को सही तरीके से बाहर नहीं निकाल पाती, तो यह खून में जमा होने लगता है। यही आगे चलकर जोड़ों में क्रिस्टल बनाता है, जिससे दर्द और सूजन होती है।

कैसे फायदेमंद है यह चटनी?

धनिया, पुदीना, लहसुन और नींबू से बनी चटनी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद कर सकती है। धनिया पत्ती में ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालने में सहायक माने जाते हैं। पुदीना पाचन को बेहतर बनाता है और शरीर को ठंडक देता है। लहसुन सूजन कम करने और खून को साफ करने में मददगार माना जाता है। नींबू शरीर को क्षारीय बनाने में मदद करता है, जिससे यूरिक एसिड संतुलित रखने में सहायता मिल सकती है।

चटनी बनाने की आसान विधि

इस हेल्दी चटनी को बनाने के लिए आपको चाहिए

एक मुट्ठी ताजा धनिया पत्ती

थोड़ी सी पुदीना पत्ती

2-3 कली लहसुन

आधा नींबू

स्वादानुसार काला नमक

थोड़ा सा पानी

इन सभी चीजों को मिक्सर में पीस लें। इसे ताजा बनाकर रोजाना खाने के साथ थोड़ी मात्रा में सेवन किया जा सकता है।

सेवन करते समय किन बातों का रखें ध्यान

यह चटनी कोई जादुई इलाज नहीं है, बल्कि हेल्दी डाइट का हिस्सा है। अगर आपका यूरिक एसिड बहुत ज्यादा बढ़ा हुआ है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

साथ ही

दिनभर में 8,10 गिलास पानी पिएं। रेड मीट और ज्यादा तली-भुनी चीजों से बचें। शराब और मीठे पेय पदार्थ कम करें। हल्की-फुल्की एक्सरसाइज जरूर करें। यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए दवा के साथ सही खानपान और लाइफस्टाइल बहुत जरूरी है। धनिया-पुदीना-लहसुन की यह चटनी शरीर को डिटॉक्स करने और सूजन कम करने में सहायक हो सकती है। हालांकि, अगर जोड़ों में तेज दर्द, सूजन या यूरिक एसिड का स्तर ज्यादा है, तो घरेलू उपायों के भरोसे न रहें और समय पर डॉक्टर से सलाह लें। सही देखभाल और संतुलित जीवनशैली से आप इस समस्या को काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं।

होली वाली भाई दूज पर बहन के लिए क्या लें? ये 5 गिफ्ट आइडिया बना देंगे आपको बेस्ट भाई

अगर आप आखिरी समय में भी इन गिफ्ट आइडिया में से कोई चुनते हैं, तो यकीन मानिए आपकी बहन जरूर खुश हो जाएगी। रंगों का पर्व होली तो बीत गई लेकिन होली के बाद मनाई जाने वाली भाई दूज आ गई है। इस साल 5 मार्च को होली वाली भाई दूज है। भाई दूज का त्योहार भाई-बहन के प्यार का प्रतीक माना जाता है। इस दिन बहन भाई की लंबी उम्र के लिए तिलक करती है और भाई अपनी बहन को प्यार और आशीर्वाद के साथ कोई खास तोहफा देता है। इस दिन दिया गया छोटा सा गिफ्ट भी रिश्ते में मिठास घोल देता है।

रिलेशनशिप

हालांकि होली की हुडदंग में अगर आप भाई दूज भूल गए और इस बार बहन के लिए गिफ्ट नहीं ले पाएं हैं तो अब आपके पास बहुत कम समय बचा है। कई बार ऐसा होता है कि त्योहार आ जाता है और हमें समझ ही नहीं आता कि बहन को क्या गिफ्ट दें। अगर आप भी आखिरी समय पर बहन के लिए गिफ्ट ढूंढ रहे हैं, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको कुछ ऐसे शानदार गिफ्ट आइडिया बता रहे हैं जो आपकी बहन को जरूर पसंद आएंगे।

ज्वेलरी गिफ्ट करें

ज्यादातर लड़कियों को ज्वेलरी बेहद पसंद होती है। भाई दूज के मौके पर आप अपनी बहन को एक खूबसूरत पेंडेंट, ब्रेसलेट या ईयररिंग्स गिफ्ट कर सकते हैं। यह गिफ्ट हमेशा के लिए यादगार बन जाता है।

स्किनकेयर या ब्यूटी किट

अगर आपकी बहन को ब्यूटी प्रोडक्ट्स पसंद हैं तो आप एक अच्छा स्किनकेयर या मेकअप किट गिफ्ट कर सकते हैं। आजकल कई ब्रांड्स फेस्टिव गिफ्ट बॉक्स भी लॉन्च करते हैं जो इस मौके के लिए परफेक्ट होते हैं।

पर्स या हैंडबैग

एक स्टाइलिश हैंडबैग या पर्स भी भाई दूज के लिए शानदार गिफ्ट हो सकता है। यह रोजमर्रा के इस्तेमाल में भी आता है और आपकी बहन को आपकी याद भी दिलाता रहेगा।

चॉकलेट या गिफ्ट हैम्पर

अगर समय बहुत कम है तो एक गिफ्ट हैम्पर या चॉकलेट बॉक्स भी अच्छा ऑप्शन है।

रंग-गुलाल डालने पर बवाल,2 समुदायों के युवक भिड़े, जमकर ईंट-गुम्मे चले

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के दौलतगंज स्थित प्रभा देवी मंदिर के पास बुधवार को होली खेलने को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। एक समुदाय के युवकों ने दूसरे पक्ष के युवक को पीट दिया। घटना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ युवक मारपीट करते और भागते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि गुलाल डालने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की पुष्टि की जा रही है और दोषियों की पहचान की जा रही है। स्थानीय निवासी हिमांशु शुक्ला ने बताया दौलतगंज के सज्जादबाग के पास प्रभा देवी मंदिर है। यहां लोग मोहल्ले में होली खेल रहे थे। एक मुस्लिम युवक वहां से गुजर रहा था, जिस पर थोड़ा सा गुलाल पड़ गया। इस बात को लेकर विवाद हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, होली के अवसर पर कुछ युवक मंदिर के पास रंग खेल रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति पर हल्का गुलाल पड़ गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में पहले बहस हुई और फिर कुछ लोगों ने कथित तौर पर ईंट-पत्थर (गुम्मा-अद्धा) चलाए।

आर्चर-संजू से अक्षर-ब्रूक तक, इन खिलाड़ियों के बीच होगी दिलचस्प टक्कर

मुंबइ। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्व कप 2026 का सेमीफाइनल कई दिलचस्प रणनीतिक मुकाबलों से भरा होगा। आर्चर बनाम सैमसन, अर्शदीप बनाम सॉल्ट और रशीद की स्पिन जैसे फैक्टर मैच का रुख तय कर सकते हैं। वानखेड़े की बल्लेबाजों के अनुकूल पिच पर दोनों टीमों को अपनी रणनीति बेहद समझदारी से बनानी होगी। जो टीम इन टैक्टिकल बैटल्स में बाजी मारेगी, वही फाइनल में जगह बनाएगी। टी20 क्रिकेट में सिर्फ बल्लेबाजी या गेंदबाजी से मैच नहीं जीते जाते, बल्कि रणनीति और सही समय पर लिए गए फैसले भी उतने ही अहम होते हैं। टी20 विश्वकप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ खिलाड़ियों की नहीं बल्कि दिमागी जंग भी होगी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में कई ऐसे छोटे-छोटे टैक्टिकल बैटल हैं जो मैच का रुख तय कर सकते हैं। कभी तेज गेंदबाजों की रफ्तार, कभी स्पिनरों की चालाकी और कभी बल्लेबाजों की आक्रामकता, यही इस मुकाबले को खास बनाती है। आइए जानते हैं

इस बड़े मैच के पांच बड़े टैक्टिकल फैक्टर, जिन पर सबकी नजर रहने वाली है... आर्चर बनाम सैमसनः रफ्तार की जंग इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के बीच मुकाबला इस मैच की सबसे दिलचस्प भिड़ंतों में से एक हो सकता है। इंग्लैंड के भारत दौरे के दौरान आर्चर ने सैमसन के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी। उस मुकाबले में सैमसन ने 23 गेंदों में सिर्फ 25 रन बनाए थे और तीन बार आउट हुए थे। हालांकि, भारत के पास जवाब भी है। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने आर्चर के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। अभिषेक ने 33 गेंदों में 61 रन और तिलक ने 16 गेंदों में 36 रन ठोक दिए थे। इस बार आर्चर अपनी गेंदबाजी की लाइन बदल सकते हैं। पिछली बार उन्होंने लेफ्ट-हैंड बल्लेबाजों को राउंड द विकेट गेंदबाजी की थी, लेकिन अब वह ओवर द विकेट से बाहर जाती गेंदों का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक खास बात यह भी है कि आर्चर और सैमसन आईपीएल में राजस्थान के लिए साथ खेल चुके हैं। ऐसे में दोनों को एकदूसरे के बारे में अच्छे से पता होगा। विल जैक्स बनाम ईशान किशन-अभिषेक शर्मा इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वह इस विश्वकप में छह में से चार मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे हैं। भारत के खिलाफ मैच में उन्हें नई गेंद पकड़ाई जा सकती है। उनका मकसद होगा भारत के आक्रामक ओपनर अभिषेक शर्मा को जल्दी आउट करना। पिछले साल आईपीएल में वानखेड़े के मैदान पर जैक्स ने अभिषेक और ईशान किशन को काफी हद तक रोके रखा था। चार गेंदों में उन्होंने सिर्फ दो रन दिए थे और किशन का विकेट लिया था। अगर जैक्स शुरूआती विकेट ले लेते हैं तो भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव को जल्दी बल्लेबाजी के लिए भेजने का सवाल खड़ा हो सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट बल्लेबाजी क्रम में ज्यादा बदलाव के मूड में नहीं दिखता। आदिल रशीद बनाम हार्दिक-दुबे इंग्लैंड के अनुभवी लेग स्पिनर आदिल रशीद मध्य ओवरों में भारत की रनगति को रोकने की बड़ी जिम्मेदारी निभाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि रशीद का रिकॉर्ड लेफ्ट-हैंड बल्लेबाजों के खिलाफ ज्यादा अच्छा रहा है, लेकिन भारत में उनकी इकॉनमी करीब नौ रन प्रति ओवर रही है। वानखेड़े में हालांकि उनका रिकॉर्ड अच्छा है। उन्होंने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ चार ओवर में सिर्फ 16 रन देकर दो विकेट लिए थे। भारत के बल्लेबाज स्वीप शॉट कम खेलते हैं, इसलिए रशीद को उम्मीद होगी कि उनकी गुगली और फ्लाइट बल्लेबाजों को फंसा सकती है। भारत के लिए आदिल रशीद की तोड़ शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या होंगे। दुबे तो लेग स्पिनर्स पर लंबे छक्के लगाते हैं, जबकि हार्दिक को भी लेग स्पिन रास आती है। इन दोनों का मकसद रशीद का प्रभाव कम करना होगा। सॉल्ट बनाम अर्शदीपः बाउंसर की जंग इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज फिल सॉल्ट और भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बीच मुकाबला भी काफी अहम होगा। अब तक अर्शदीप ने सॉल्ट को 44 गेंदों में चार बार आउट किया है और सिर्फ 50 रन दिए हैं। खासकर उनकी शॉर्ट गेंदें सॉल्ट के लिए परेशानी का कारण बनी हैं। हालांकि, हाल ही में आईपीएल में सॉल्ट ने अर्शदीप के खिलाफ तेजी से रन भी बनाए थे। इसलिए वानखेड़े जैसे छोटे मैदान पर यह मुकाबला पूरी तरह जोखिम और आक्रामकता का खेल होगा। अक्षर पटेल-वरुण चक्रवर्ती बनाम हैरी ब्रूक भारत के ऑलराउंडर अक्षर पटेल को टीम मैनेजमेंट शुरूआत में रक्षात्मक गेंदबाजी के लिए इस्तेमाल कर सकता है। भारत चाहेगा कि मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पावरप्ले से दूर रखा जाए ताकि उन्हें शुरूआत में ज्यादा रन न पड़ें। इंग्लैंड की कोशिश होगी कि भारत को जल्दी ही अपने मुख्य गेंदबाजों जैसे जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जाए।

टी20 विश्वकप नॉकआउट में सबसे ज्यादा बार पहुंचने वाली टीम कौन सी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप 2007 से 2026 तक कई टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड का दबदबा सबसे ज्यादा रहा। 2026 में भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड अंतिम चार में पहुंचे। हालांकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई। टीम इंडिया लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल खेल रही है। टी20 विश्वकप 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव की तरफ बढ़ चला है। 52 रोमांचक मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो चुकी हैं। भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, और न्यूजीलैंड ने अंतिम चार का टिकट हासिल किया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया की भिड़ंत इंग्लैंड से होगी, जबकि पिछले सीजन फाइनल तक का सफर तय करने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गई। हम आपको नॉकआउट स्टेज यानी सेमीफाइनल में सबसे ज्यादा बार पहुंचने वाली टीमों के बारे में बता रहे हैं... टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सेमीफाइनल तक पहुंचना किसी भी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। अब तक सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल खेलने का रिकॉर्ड तीन टीमों के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है। इनमें भारत, इंग्लैंड और पाकिस्तान शामिल हैं। इन तीनों टीमों ने छह-छह बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पाकिस्तान (6 बार): पाकिस्तान ने 2007, 2009, 2010, 2012, 2021 और 2022 में सेमीफाइनल खेला। टीम ने 2009 में खिताब भी जीता था। भारत (6 बार): भारत ने 2007, 2014, 2016, 2022, 2024 और 2026 में सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप जीता था। इसके बाद टीम 2024 में भी चैंपियन बनी। टीम इंडिया कई बार सेमीफाइनल तक पहुंची, जो उसकी निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन की क्षमता को दशार्ता है। इंग्लैंड (6 बार): इंग्लैंड ने 2010, 2016, 2021, 2022, 2024 और 2026 में सेमीफाइनल खेला। इंग्लैंड ने 2010 और 2022 में खिताब जीता। पिछले कुछ वर्षों में इंग्लैंड की टीम सीमित ओवरों के क्रिकेट में बेहद आक्रामक और संतुलित नजर आई है।

फैंस को लगा झटका, पूछा- जब टीमें ही तय नहीं थीं, तब कैसे बिक गईं सभी सीटें?

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। हालांकि, टिकटों की बिक्री सुपर-8 चरण के दौरान ही शुरू हो गई थी और अब पूरी तरह सोल्ड आउट हो चुकी है। जब टीमें तय नहीं थीं तब टिकट खरीदने वाले फैंस अब इस बड़े मुकाबले का आनंद स्टेडियम में ले सकेंगे, जबकि कई क्रिकेट प्रेमियों को टिकट न मिलने की निराशा झेलनी पड़ रही है। टी20 विश्वकप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल आज मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाना है। यह मुकाबला शुरू होने से पहले ही चर्चा में आ गया है, लेकिन वजह मैदान की पिच या खिलाड़ियों की फॉर्म नहीं बल्कि टिकटों की भारी मांग है। मुंबई के इस ऐतिहासिक मैदान में होने वाले मुकाबले के लिए टिकट पूरी तरह सोल्ड आउट हो चुके हैं। कई क्रिकेट प्रेमी अब सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं कि जब सुपर-8 के मुकाबले चल रहे थे और सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों का पता भी नहीं था, तब इतनी जल्दी टिकट कैसे बिक गईं। 24 फरवरी को शुरू हुई थी टिकटों की बिक्री आईसीसी ने टी20 विश्वकप 2026 के नॉकआउट मुकाबलों के लिए टिकटों की बिक्री 24 फरवरी से शुरू कर दी थी। उस समय सुपर-8 चरण जारी था और सेमीफाइनल की तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं थी। दिलचस्प बात यह रही कि टिकट खरीदते समय फैंस को यह भी पूरी तरह पता नहीं था कि सेमीफाइनल में कौन सी टीमें पहुंचेंगी। इसके बावजूद क्रिकेट प्रेमियों ने बड़ी संख्या में टिकट खरीद लिए और कुछ ही समय में कई मुकाबलों के टिकट खत्म हो गए। भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने पर बढ़ी दीवानगी सुपर-8 के दौरान भारत की स्थिति भी पूरी तरह मजबूत नहीं मानी जा रही थी। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद टीम इंडिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन जैसे ही भारत ने अंतिम चार में जगह बनाई और इंग्लैंड के साथ मुकाबला तय हुआ, फैंस में इस मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। अब कई क्रिकेट प्रेमी इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को स्टेडियम में बैठकर देखना चाहते हैं, लेकिन टिकट उपलब्ध नहीं हैं। इसी वजह से कई फैंस निराश भी नजर आ रहे हैं। मुंबई में सितारों की मौजूदगी भी बढ़ाती है आकर्षण वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला यह सेमीफाइनल इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि मुंबई क्रिकेट और मनोरंजन जगत का बड़ा केंद्र है। यहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का मुख्यालय भी मौजूद है। इसके अलावा बॉलीवुड और खेल जगत के कई बड़े सितारे भी अक्सर ऐसे बड़े मुकाबलों में स्टेडियम में दिखाई देते हैं। ऐसे में भारत और इंग्लैंड जैसे बड़े मुकाबले को देखने के लिए न सिर्फ आम फैंस बल्कि कई सेलिब्रिटी भी उत्सुक रहते हैं। यही वजह है कि टिकटों की मांग अचानक और ज्यादा बढ़ गई। हाईब्रिड मॉडल की वजह से बदली थी वेन्यू की तस्वीर इस टूनार्मेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण हाईब्रिड मॉडल लागू किया गया था। पाकिस्तान ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले हैं। आईसीसी के अनुसार, अगर पाकिस्तान नॉकआउट चरण में पहुंचता तो उसका मुकाबला कोलंबो में खेला जाता। इसी कारण शुरूआत में सेमीफाइनल के वेन्यू को लेकर कुछ अनिश्चितता बनी रही थी। हालांकि यह तय था कि अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा तो दूसरा सेमीफाइनल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, इसलिए फैंस ने पहले ही टिकट खरीदने में दिलचस्पी दिखाई। उन्हें विश्वास था कि टीम इंडिया अंतिम चार में पहुंचेगी और ऐसा ही हुआ भी। फैंस के लिए बड़ा झटका अब जब भारत और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमें आमने-सामने हैं, तो मैच का रोमांच और भी बढ़ गया है। लेकिन जिन क्रिकेट प्रेमियों ने पहले टिकट नहीं खरीदे, उनके लिए स्टेडियम में बैठकर यह मुकाबला देखना लगभग नामुमकिन हो गया है। अहमदाबाद में होने वाले फाइनल में टीम इंडिया पहुंचेगी या नहीं, यह अभी तय नहीं है, लेकिन फाइनल के लिए टिकट सोल्ड आउट हो चुके हैं। वानखेड़े में 32 हजार, जबकि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लाख 30 हजार के करीब दर्शकों के बैठने की क्षमता है। इसी वजह से कई फैंस सोशल मीडिया पर अपनी निराशा भी जाहिर कर रहे हैं। उनके मुताबिक, इतने बड़े मुकाबले के लिए टिकटों का इतनी जल्दी खत्म हो जाना काफी चौंकाने वाला है।

बड़बोलेपन का नया उदाहरण पेश किया, गलत साबित होने के बाद भी नहीं सुधर रही हरकत

कराची। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ इंग्लैंड को फेवरेट बताया है। उन्होंने भारतीय बल्लेबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि टीम में सिर्फ एक-दो खिलाड़ी ही लगातार प्रदर्शन कर पा रहे हैं। हालांकि इससे पहले उनकी भविष्यवाणी गलत साबित हो चुकी है, इसलिए अब देखना दिलचस्प होगा कि सेमीफाइनल में असली नतीजा क्या निकलता है। टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तानी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूनार्मेंट के शुरू होने से पहले जमकर बवाल किया, फिर उनकी टीम को भारत से हार का सामना करना पड़ा और फिर पाकिस्तान टीम सुपर-8 से बाहर हो गई। इसके बावजूद पाकिस्तान के कुछ पूर्व क्रिकेटर अपनी टीम के भविष्य का नहीं सोच रहे हैं, लेकिन उन्हें टीम इंडिया को लेकर भविष्यवाणी जरूर करनी है। इसी कड़ी में आज इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने एक बार फिर भारत की हार की भविष्यवाणी कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले भी भारत को लेकर उनकी भविष्यवाणी गलत साबित हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस बार इंग्लैंड को भारत पर भारी बताया है और बड़बोलेपन का नया उदाहरण पेश किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है। आमिर का मानना है कि यह मैच हाई-स्कोरिंग हो सकता है और अगर इंग्लैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी करता है तो उसके जीतने की संभावना ज्यादा होगी।

भविष्यवाणी के लिए आमिर को 'बाबा' का टैग भी दिया गया था। 'अगर इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की तो जीत के ज्यादा चांस' पाकिस्तानी शो 'हारना मना है' के दौरान अपनी राय रखते हुए आमिर ने कहा कि मुंबई की पिच बल्लेबाजों के लिए काफी मददगार होती है। उन्होंने कहा, 'यह मैच अच्छी विकेट पर होगा। अगर इंग्लैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी करता है तो उसके जीतने के ज्यादा चांस होंगे, क्योंकि मुंबई में आम तौर पर हाई-स्कोरिंग मैच होते हैं।' उनका मानना है कि इस परिस्थिति में इंग्लैंड के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड के लिए इस पूरे टूनार्मेंट में अब तक फिल सॉल्ट और जोस बटलर ने कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। अगर उनका बल्ला चला तो यह इंग्लैंड के लिए बोनस होगा। आमिर का मानना है कि इंग्लैंड के गेंदबाज भी अच्छे फॉर्म में हैं और इंग्लैंड के गेंदबाज भी अच्छी बल्लेबाजी कर लेते हैं। भारतीय बल्लेबाजी पर उठाए सवाल आमिर ने भारतीय टीम की बल्लेबाजी को लेकर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार भारत की टीम में सिर्फ एक-दो बल्लेबाज ही अच्छा प्रदर्शन कर पा रहे हैं, जबकि बाकी खिलाड़ी अपेक्षा के मुताबिक योगदान नहीं दे रहे। उन्होंने कहा, 'अगर भारत की बात करें तो सिर्फ एक या दो बल्लेबाज ही प्रदर्शन कर रहे हैं। वही खिलाड़ी टीम को अंत तक ले जाते हैं, लेकिन बाकी बल्लेबाज फॉर्म में नहीं दिख रहे।' आमिर ने आगे कहा, 'ईशान किशन ने हमारे खिलाफ अच्छा खेला था। अभिषेक शर्मा फॉर्म में नहीं हैं। तिलक वर्मा प्रभाव नहीं डाल पाए। सूर्यकुमार यादव ने सुपर-8 के बाद कुछ खास नहीं किया। संजू सैमसन ने जरूर प्रदर्शन किया है और जसप्रीत बुमराह अच्छा कर रहे हैं।' इंग्लैंड को बताया सेमीफाइनल का फेवरेट भारतीय टीम के प्रदर्शन का आकलन करते हुए आमिर ने साफ तौर पर इंग्लैंड को इस मुकाबले में फेवरेट बताया। उनका मानना है कि मौजूदा हालात में इंग्लैंड की टीम ज्यादा संतुलित और खतरनाक नजर आ रही है। आमिर ने कहा, 'आप यह नहीं कह सकते कि यह टीम पूरी तरह से मैच पर हावी हो जाएगी। मेरे हिसाब से इस मैच में इंग्लैंड फेवरेट है।' आमिर के साथ मौजूद पाकिस्तान के पूर्व ओपनर अहमद शहजाद और राशिद लतीफ ने भी उनके बयान पर सहमति जताई। हालांकि, क्रिकेट में भविष्यवाणियां अक्सर गलत भी साबित होती रही हैं।

सरफराज अहमद के कोच बनने से पहले क्यों मचा हंगामा? शाहिद अफरीदी ने उठाए सवाल

कराची। टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। सरफराज अहमद को टेस्ट टीम का कोच बनाए जाने की चर्चा के बीच शाहिद अफरीदी ने इसका विरोध करते हुए यूनिस खान को बेहतर विकल्प बताया है। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए घोषित टीम से बाबर आजम और फखर जमां जैसे बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट में उथल-पुथल का दौर जारी है। टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में बड़े बदलावों का दौर शुरू हो गया है। एक तरफ जहां बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम का एलान किया गया है और कई बड़े नाम बाहर कर दिए गए हैं, वहीं दूसरी ओर टेस्ट टीम के कोच पद को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) पूर्व कप्तान सरफराज को टेस्ट टीम का हेड कोच बनाने की तैयारी कर रहा है, लेकिन इस फैसले को लेकर अब विरोध भी शुरू हो गया है। सरफराज कोच बनने की चर्चा, लेकिन विरोध भी शुरू रिपोर्ट्स के मुताबिक पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने सरफराज अहमद से टेस्ट टीम के कोच पद को लेकर बातचीत की है। बताया जा रहा है कि सरफराज इस जिम्मेदारी को लेने के लिए तैयार भी हैं और कप्तान शान मसूद के साथ काम करने पर सहमत हैं। सूत्रों के मुताबिक, 'पीसीबी चेयरमैन ने सरफराज से टेस्ट टीम के हेड कोच बनने को लेकर बात की है और वह इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए तैयार हैं। उनका मानना है कि कप्तान शान मसूद के साथ मिलकर टीम को बेहतर बनाया जा सकता है।' पाकिस्तान को आने वाले महीनों में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में बोर्ड जल्द ही कोच पद पर फैसला करना चाहता है। अफरीदी बोले- यूनिस को मिलना चाहिए मौका हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी इस फैसले से सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि टेस्ट टीम के लिए बेहतर विकल्प यूनिस खान हो सकते हैं। अफरीदी ने स्थानीय मीडिया से कहा, '10 हजार से ज्यादा टेस्ट रन और लंबे फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड के साथ मुझे लगता है कि यूनिस खान को टेस्ट टीम की कोचिंग दी जानी चाहिए।' यानी सरफराज के नाम पर चर्चा के बीच अब यह बहस तेज हो गई है कि पाकिस्तान की टेस्ट टीम का कोच आखिर किसे बनाया जाए। टी20 विश्व कप के बाद बाबर-फखर पर गिरी गाज उधर टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन का असर पाकिस्तान की वनडे टीम पर भी देखने को मिला है। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए घोषित टीम से पूर्व कप्तान बाबर आजम और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फखर जमां को बाहर कर दिया गया है। टी20 विश्व कप 2026 में बाबर का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। उन्होंने चार मैचों में केवल 91 रन बनाए थे। इसके बाद कई पूर्व खिलाड़ियों ने उनकी आलोचना की और उन्हें सीमित ओवर क्रिकेट से ब्रेक लेने की सलाह भी दी थी। हालांकि वनडे क्रिकेट में बाबर का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उन्होंने 2025 में 17 मैचों में 544 रन बनाए थे और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में शतक भी जड़ा था। इसके बावजूद टीम से बाहर किया जाना हैरान करने वाला फैसला माना जा रहा है। नई टीम, नए प्रयोग बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में पाकिस्तान की कमान तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को सौंपी गई है। चयनकताओं ने टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया है और कुल छह अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया है। हालिया टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले साहिबजादा को भी टीम में जगह मिली है, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान की वापसी हुई है।

मैं बस घर जाना चाहता हूं', आखिर क्यों निराश हुए वेस्टइंडीज के कोच सैमी?

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल भारत में ही फंसी हुई है और अब मुख्य कोच डेरेन सैमी का धैर्य जवाब दे रहा है। सैमी ने कहा कि वह बस किसी भी तरह अब अपने घर जाना चाहते हैं। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को सुपर-8 के अपने आखिरी मुकाबले में भारत के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही वेस्टइंडीज का सफर टी20 विश्व कप 2026 से समाप्त हो गया था। विश्व कप में सफर समाप्त होने के बावजूद वेस्टइंडीज की टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। अब वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपनी निराशा जाहिर की है। एयरस्पेस बंद होने से बढ़ी मुश्किल सैमी ने एक्स पर लिखा, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं।' ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध की वजह से हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। इसी वजह से वेस्टइंडीज की टीम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक स्वदेश नहीं लौट सकी है। उनके लौटने का इंतजार बढ़ता जा रहा है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय एयरस्पेस पाबंदियों के कारण भारत से सीनियर पुरुष टीम के लौटने में देरी हुई है। बोर्ड ने कहा कि खिलाड़ी, कोच और अधिकारी सभी भारत में हैं और सुरक्षित हैं। उनकी वापसी का इंतजाम किया जा रहा है। यह रुकावट खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की वजह से हुई है। क्षेत्र में ईरान और इस्राइल की तरफ से हो रही सैन्य कार्रवाई की वजह से एयरस्पेस बंद हुआ है। एयरलाइंस को आमतौर पर इंटरनेशनल ट्रांजिट के लिए इस्तेमाल होने वाले रूट पर सर्विस रद्द करने, रूट बदलने या देरी करने पर मजबूर होना पड़ा है।

एलेन ने 33 गेंदों में जड़ा शतक, न्यूजीलैंड के फाइनल में पहुंचने पर कही यह बात

कोलकाता। टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में फिन एलेन के 33 गेंदों में बनाए गए नाबाद शतक ने न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका पर बड़ी जीत दिलाकर फाइनल में पहुंचा दिया। एलेन ने अपनी शानदार पारी का श्रेय भारत में खेली गई सीरीज और टीम की बेहतरीन तैयारी को दिया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के कोच ने हार को चोक मानने से इनकार करते हुए इसे पूरी तरह एकतरफा मुकाबला बताया। न्यूजीलैंड के विस्फोटक ओपनर फिन एलेन ने टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में ऐसा तूफान खड़ा किया कि दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम देखते ही रह गई। कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेले गए मुकाबले में एलेन ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम को नौ विकेट से शानदार जीत दिला दी। न्यूजीलैंड ने 170 रन के लक्ष्य को सिर्फ 12.5 ओवर में हासिल कर लिया और 43 गेंद पहले ही मैच खत्म कर दिया। एलेन ने अपने धमाकेदार शॉट्स से पूरे स्टेडियम में रोमांच भर दिया और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। भारत सीरीज बनी एलेन की ताकत मैच के बाद एलेन ने अपनी इस शानदार पारी के पीछे भारत के खिलाफ खेली गई सीरीज को बड़ा कारण बताया। उनका मानना है कि विश्व कप से पहले भारत में खेली गई पांच मैचों की सीरीज ने टीम को यहां की परिस्थितियों को समझने में काफी मदद की। एलेन ने कहा, 'यह दिखाता है कि विश्व कप से पहले भारत में खेली गई सीरीज कितनी अहम थी। काली मिट्टी की पिचों पर पांच मैच खेलने से हमें काफी अनुभव मिला, ऐसी तैयारी को दोहराना आसान नहीं होता।' उन्होंने यह भी माना कि भले ही उस सीरीज में न्यूजीलैंड को हार मिली थी, लेकिन टीम को वहां से आत्मविश्वास और अनुभव जरूर मिला। गेंदबाजों ने रखी जीत की नींव एलेन ने अपनी पारी का श्रेय न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी दिया, जिन्होंने शुरूआत में विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे गेंदबाजों ने शानदार शुरूआत की और मैच हमारे लिए सेट कर दिया। ऐसी पिच पर अगर शुरूआत में विकेट मिल जाएं और दबाव बनाया जाए तो बल्लेबाजों के लिए काम आसान हो जाता है।' गेंदबाजों की इसी मेहनत का फायदा उठाते हुए एलेन ने बाद में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। टिम साइफर्ट की भी जमकर तारीफ एलेन ने अपने ओपनिंग पार्टनर टिम साइफर्ट की भी जमकर तारीफ की। सिफर्ट ने 33 गेंदों में 58 रन बनाकर टीम की जीत को आसान बना दिया। एलेन ने कहा, 'वह लगातार चौके-छक्के लगा रहे थे और पूरे टूनार्मेंट में शानदार फॉर्म में हैं।

पिता को बचाने आए बेटे को पड़ोसियों ने चाकुओं से गोदा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के दुबग्गा इलाके से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां मामूली विवाद ने इतना खौफनाक रूप ले लिया कि एक 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप पड़ोस में रहने वाले एक युवक, उसकी बहन और मां पर लगा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी युवती को हिरासत में ले लिया है। घटना दुबग्गा के बेगरिया इलाके की है। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब 5 बजे राजेंद्र गौतम अपने घर के बाहर पड़ोसी निशु से बात कर रहे थे। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला मोहित मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और बिना किसी बात के गाली-गलौज करने लगा। जब राजेंद्र ने उसे टोकना चाहा, तो विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। शोर सुनकर मोहित की मां रंजना और बहन शिवानी भी मौके पर पहुंच गईं। विवाद के बीच राजेंद्र का बेटा सूरज गौतम (22 वर्ष) अपने पिता को बचाने के लिए दौड़कर आया। आरोप है कि इसी दौरान शिवानी घर के अंदर से चाकू निकाल लाई और अपने भाई व मां के साथ मिलकर सूरज पर हमला बोल दिया। शिवानी ने सूरज के शरीर पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

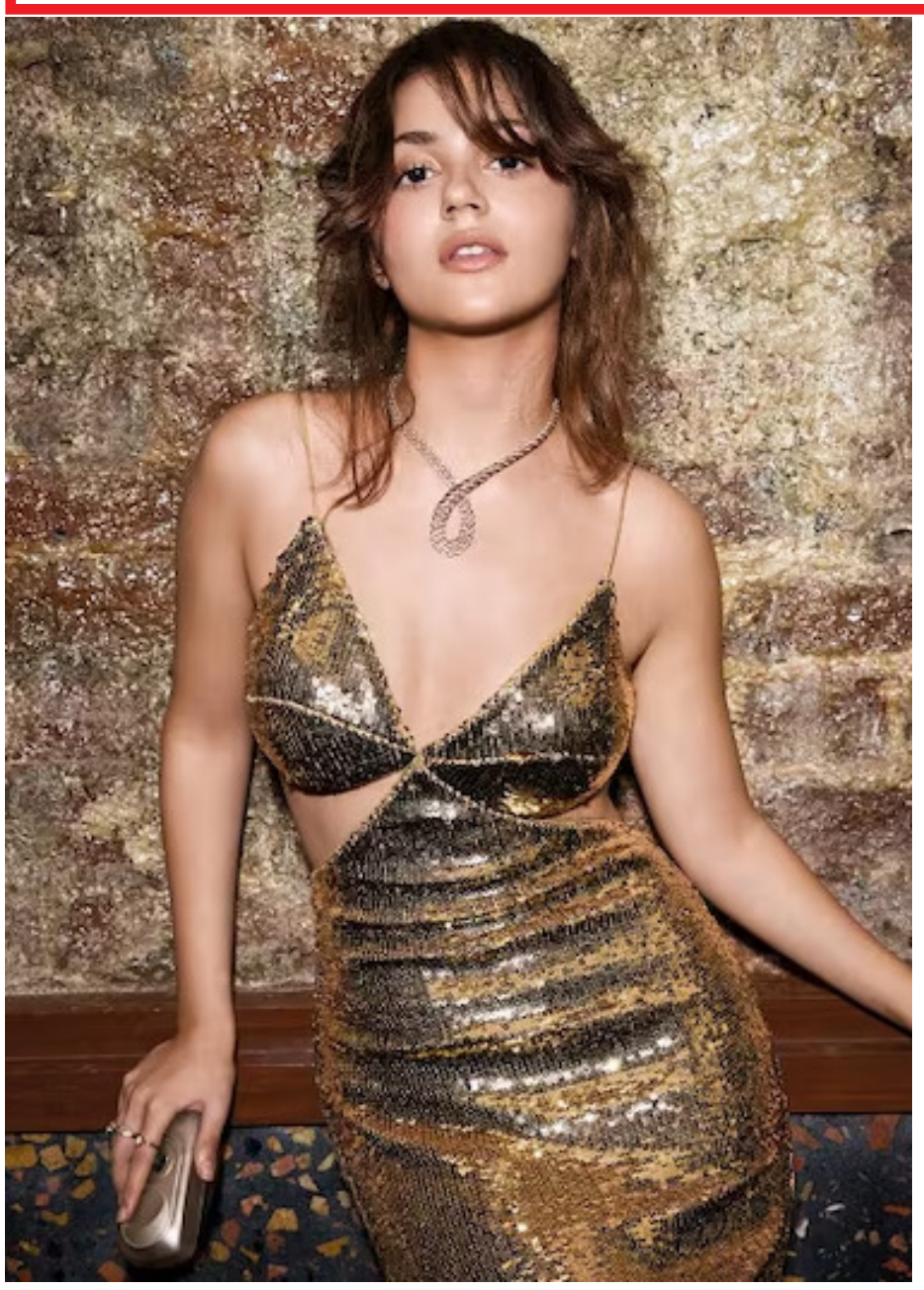

अनीत पड्डा से लेकर सारा अर्जुन तक..डेब्यू करने वाली इन एक्ट्रेसेस ने अपने अभिनय से दर्शकों को किया प्रभावित

हिंदी सिनेमा हर साल नए कलाकारों को मौका देता है और उनमें से कुछ कलाकार अपने पहले ही काम से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ देते हैं। हाल के समय में जिन नई अभिनेत्रियों ने अपने डेब्यू से लोगों का ध्यान खींचा है, उनमें अनीत पड्डा, सारा अर्जुन और अदिति भाटिया के नाम खास तौर पर शामिल हैं। अलग-अलग पृष्ठभूमि से आने के बावजूद, इन तीनों ने अपनी मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और अच्छे अभिनय से खुद को अलग पहचान दिलाई है। अनीत पड्डा ने फिल्म सैयारा के साथ सिनेमा की दुनिया में कदम रखा और अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा। अपने किरदार में उन्होंने ताजगी और सच्चाई दिखाई, जिससे उनका अभिनय काफी सहज और स्वाभाविक लगा। भावनाओं को सही तरीके से दिखाने और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता ने उनके डेब्यू को खास बना दिया। इसी वजह से उन्हें इंडस्ट्री के नए और उभरते चेहरों में गिना जा रहा है। सारा अर्जुन बहुत छोटी उम्र से ही मनोरंजन जगत से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। समय के साथ उन्होंने कई अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम किया और अपनी अभिनय क्षमता को साबित किया। अब फिल्म ह्रधुरंधरह्व के साथ सारा अपने करियर के नए दौर में कदम रख रही हैं। इस फिल्म में वह एक ज्यादा परिपक्व और मजबूत भूमिका निभा रही हैं। उनकी आत्मविश्वास भरी स्क्रीन प्रेजेंस और गहरी भावनाएं दिखाने की क्षमता उनके अनुभव को साफ दिखाती है। अदिति भाटिया ने भी अपने करियर की शुरूआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। इसके साथ ही वह विज्ञापन की दुनिया में भी काफी समय से काम कर रही हैं और कई विज्ञापनों में दिखाई दे चुकी हैं। अब फिल्म द केरला स्टोरी 2 के साथ वह मुख्य अभिनेत्री के रूप में बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी में शामिल हुए शाहरुख खान और आमिर

गौरी और बेटी सुहाना ने दिए पोज

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंदोक की शादी में कई सितारें लगातार शामिल हो रहे हैं। शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान और बेटी सुहाना खान के साथ पहुंचे, जबकि आमिर खान चमकीली शेरवानी में अकेले नजर आए। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने आज 5 मार्च 2026 को मुंबई में सानिया चंदोक से शादी कर ली है। यह शादी साल की सबसे बड़ी और चर्चित शादियों में से एक है। इस शादी में बॉलीवुड, क्रिकेट और बिजनेस जगत की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। परिवार संग शादी में शामिल हुए शाहरुख खान शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान और बेटी सुहाना खान के साथ शादी में पहुंचे। वे सभी पारंपरिक कपड़ों में बहुत अच्छे लग रहे हैं। गौरी सुनहरी साड़ी में शानदार दिखीं, जबकि सुहाना ने हल्के सुनहरे लहंगे में सबका ध्यान

खींचा। शाहरुख ने आने पर अपने मशहूर अंदाज में सबको सलाम किया। आमिर खान की खास मौजूदगी शाहरुख खान के अलावा अर्जुन तेंदुलकर की शादी में आमिर खान भी शामिल हुए। इस शादी में आमिर अकेले पहुंचे और चमकीली शेरवानी पहनकर पैपराजी को जमकर पोज दिए। अर्जुन तेंदुलकर की शादी में कई सेलेब्स हुए शामिल अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंदोक की शादी शादी में अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, फरहान अख्तर और गायिका आशा भोसले भी नजर आए। क्रिकेट जगत से एमएस धोनी, सुरेश रैना, श्रेयस अय्यर, पृथ्वी शॉ, इरफान पठान, हरभजन सिंह जैसे कई स्टार खिलाड़ी आए। इसके अलावा आईसीसी के जय शाह और कई बड़े बिजनेसमैन भी शामिल हुए। शादी से पहले हुई अर्जुन और सानिया की सगाई अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में प्राइवेट तरीके से हुई थी। शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू हुईं, जिसमें मेहंदी और संगीत जैसे पारंपरिक कार्यक्रम हुए। मुख्य शादी 5 मार्च को मुंबई में भव्य तरीके से हुई। सानिया चंदोक कौन हैं? सानिया मुंबई के एक बड़े बिजनेस परिवार से हैं। वह उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। यह शादी क्रिकेट, फिल्म और बिजनेस की दुनिया को एक साथ लाने वाला खास मौका बना। यह एक यादगार और भव्य शादी रही, जिसमें शामिल हुए सभी सितारों, क्रिकेटर्स और बाकी मेहमानों ने नवविवाहित जोड़े को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया।

भूत बंगला के सेट पर अक्षय कुमार-शिखर धवन का क्रिकेट धमाल, क्रू को दी कैश प्राइज की चुनौती

14 साल के लंबे इंतजार के बाद, बॉलीवुड की मशहूर एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन भूत बंगला के लिए फिर से साथ आ रहे हैं, और इस खबर ने फैन्स के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। ये दोनों हिंदी सिनेमा को कुछ सबसे पसंदीदा कॉमेडी फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। इस बार, वे एक हॉरर-कॉमेडी के साथ वापसी कर रहे हैं जो डर और हंसी दोनों का वादा करती है। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म से उनके सिग्नेचर ह्यूमर, परफेक्ट कॉमिक टाइमिंग और उस क्लीन फैमिली एंटरटेनमेंट के वापस आने की उम्मीद है जिसने उनकी पिछली फिल्मों को इतना पॉपुलर बनाया था। हाल ही में श्भूत बंगलाश का सेट एक मिनी क्रिकेट ग्राउंड में बदल गया जब अक्षय कुमार अपनी

वही संक्रामक एनर्जी कैमरे के पीछे भी ले आए। पर्दे के पीछे के एक मजेदार वीडियो में, सुपरस्टार किसी और के साथ नहीं बल्कि शिखर धवन के साथ क्रिकेट खेलते नजर आए, जिसे देख क्रू मेंबर्स ऐसे चीयर करने लगे जैसे कोई स्टेडियम मैच चल रहा हो। जो एक कैजुअल गेम के तौर पर शुरू हुआ था, वो देखते ही देखते सेट पर एक फुल-ऑन क्रिकेट फीवर में बदल गया, जहाँ शॉट्स के बीच हंसी-मजाक और टीम स्पिरिट छाई रही। मजा तब और बढ़ गया जब अक्षय ने पूरे क्रू को एक ओपन चैलेंज दे दिया और जीतने वाली टीम के लिए नकद इनाम का ऐलान भी कर दिया। इस दोस्ताना मुकाबले ने सेट पर एक अलग ही रोमांच और भाईचारा भर दिया, जिससे यह साफ हो गया कि फिल्म के डर और पागलपन के अलावा, सेट पर टीम वर्क और मस्ती का राज था। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पहला गाना राम जी आके भला करेंगे रिलीज किया है, और रिलीज के बाद से ही इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। यह गाना फिलहाल सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है और फैन्स को इसका वाइब्रेंट अंदाज बहुत पसंद आ रहा है। अक्षय कुमार की वही जबरदस्त एनर्जी, सटीक कॉमिक टाइमिंग और शानदार डांस मूव्स ने पुरानी यादें ताजा कर दी हैं, जो दर्शकों को उनकी क्लासिक फिल्मों की याद दिलाती हैं। ध्बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के एक डिवीजन, बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर भूत बंगला पेश किया है, जिसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव नजर आएंगे।

मोटी कहकर गाने से किया था बाहर, छलका आयशा खान का दर्द

कहा-हर दिन रेप की धमकियां मिलती

एक्ट्रेस आयशा खान धुरंधर के गाने शरारत में नजर आने के बाद से काफी सुर्खियों में हैं। गाने में उनकी परफॉर्मेंस को लोगों ने खूब पसंद किया। वहीं, हाल ही में इस एक्ट्रेस ने बॉडी साइज की वजह से एक गाने से बाहर किए जाने पर अपना दर्द बयां किया। इसके साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि इंस्टाग्राम पर उन्हें रोज सेक्शुअलाइज किया जाता है और रेप की धमकियां तक मिलती हैं। आयशा खान ने ट्रोल्स और रेप धमकियों पर की खुलकर बात करते हुए एक इवेंट में बताया कि जब वो 12वीं क्लास में थीं, तब उन्हें टी-सीरीज के एक गाने में सेकेंड लीड के तौर पर लिया गया था। लेकिन शूट से एक रात पहले ही उन्हें मोटी कहकर बाहर कर दिया गया। आयशा ने खुलासा किया कि मुझे लगभग हर दिन इंस्टाग्राम पर मेरी बॉडी को लेकर सेक्शुअलाइज किया जाता है। मैं नॉर्मल सा टॉप पहनूं तो लोगों को दिक्कत, स्कर्ट पहनूं तो भी दिक्कत। मुझे कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोचना पड़ता है। अगर मुझे सिर्फ इसलिए कपड़े पहनने या कुछ पोस्ट करने से पहले सोचना पड़े कि कोई मुझे गलत नजर से देखेगा, तो ये बहुत दुख की बात है। कभी-कभी मैं सोचती हूं कि जो मन में आए वो पोस्ट कर दूं, लेकिन कई बार ऐसे भद्दे कमेंट पढ़ने का मन नहीं होता, जिनमें लोग लिखते हैं कि मौका मिले तो वो मेरे साथ क्या करेंगे। आयशा ने आगे कहा, जो लोग ऐसे कमेंट करते हैं, अगर उनके पास ताकत होती तो शायद वो वही करते जो लिखते हैं। यही बात डराती है कि ये सिर्फ शब्द नहीं, असली लोग हैं जो हमारे आसपास ही रहते हैं। मुझे लगभग हर दिन रेप की धमकियां मिलती हैं। काश इसके खिलाफ कुछ सख्त कदम उठाए जाएं। कई बार ये बातें मेरे पुराने जख्मों को हरा कर देती हैं और डर लगता है कि अगर मैं आज जितनी पहचान और ताकत नहीं रखती, तो शायद कुछ गलत हो सकता था। बता दें, आयशा खान को टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 17 से खूब फेम मिला। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर की थी। उन्होंने एकता कपूर के प्रोड्यूस किए गए टीवी शो कसौटी जिंदगी की से टीवी में डेब्यू किया। इसके बाद वो बालवीर रिटर्न्स में नजर आईं। साल 2022 में उन्होंने तेलुगु फिल्म मुखचित्रम से साउथ इंडस्ट्री में कदम रखा। इसके बाद वह फिल्म जाट में सपोर्टिंग रोल में दिखीं। हाल ही में उन्हें कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 में देखा गया वहीं फिल्म धुरंधर के स्पेशल सॉन्ग शरारत में क्रिस्टल डिसूजा के साथ भी उनकी परफॉर्मेंस को खूब सराहा गया।

नाना पाटेकर की तिरंगा में नजर आई अभिनेत्री ठगी का शिकार

वर्षा उसगांवकर के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी

फिल्म तिरंगा में नाना पाटेकर के अपोजिट अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर नजर आई थीं। यह एक्ट्रेस बड़ी ठगी का शिकार हुईं।

जानिए, वर्षा के साथ कैसे हुई धोखाधड़ी? वर्षा उसगांवकर हिंदी और मराठी फिल्मों का जाना-माना नाम हैं। हाल ही में मुंबई पुलिस ने जानकारी साझा की कि कई लोगों समेत अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर भी ठगी और धोखाधड़ी का शिकार हुईं। एक्ट्रेस के अलावा कई लोगों से लगभग 47 लाख रुपये ठगे गए हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला। मुंबई पुलिस के मुताबिक मराठी एक्ट्रेस वर्षा उसगांवकर के अलावा कई लोगों ने एक व्यक्ति ने लाखों रुपये की ठगी की है। एक बिल्डर और प्रोड्यूसर बनकर इस व्यक्ति ने करीब 47 लाख रुपये ठगे हैं। यह मामला मराठी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा है। आरोपी ने ठगी करने के बाद दी धमकी मुंबई पुलिस के मुताबिक अविनाश जाधव के खिलाफ शिकायत मराठी थिएटर और फिल्म एक्ट्रेस मृणालिनी सुभाष जांभाले ने की है। वह अविनाश को प्रोफेशनल जानती थीं। इस व्यक्ति ने खुद को बिल्डर और प्रोड्यूसर बताया। एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में इंवेस्ट करने पर ज्यादा रिटर्न का वादा किया। नवंबर 2019 और फरवरी 2020 के बीच, मृणालिनी जांभाले, वर्षा उसगांवकर और तीन अन्य लोगों ने आरोपी को 47 लाख रुपये ट्रांसफर किए। इस व्यक्ति ने रिटर्न के तौर पर कुछ पैसा लौटाया। फिर बाद में पेमेंट करना बंद कर दिया। बार-बार कॉन्टैक्ट करने के बाद मोबाइल बंद कर दिया। साथ ही पैसा मांगने वाली एक्ट्रेस को धमकी भी दी। पुलिस अभी जांच कर रही हैं कि आरोपी ने अब तक कितने और लोंगो को फंसाया है।

पति संग पैपराजी को पोज दे रही थी अविका, अचानक हुई तबीयत में गड़बड़, फैंस लगाने लगे खुशखबरी के कयास

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस अविका गोर हाल ही में अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ स्पॉट हुईं। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस अचानक असहज महसूस करती नजर आईं। वीडियो सामने आने के बाद फैंस के बीच तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। कई तो उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगाने लगे। वायरल वीडियो में अविका ग्रीन कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आईं। वह पैपराजी के सामने पति मिलिंद के साथ पोज दे रही थीं कि इस बीच वह अचानक असहज महसूस करने लगीं और मिलिंद की ओर देखने लगीं। कुछ ही क्षण बाद वह एक तरफ मुड़ीं और उन्हें उल्टी होने लगी। यह देख उनके पति तुरंत उन्हें संभालते नजर आए। इस पूरे पल को वहां मौजूद पैपराजी के कैमरों ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग इसे खुशखबरी से जोड़कर देख रहे हैं और कपल को बधाई दे रहे हैं, जबकि कुछ यूजर्स ने इसे ओवररिएक्शन या ड्रामा तक बता रहे हैं। हालांकि इससे पहले अविका गौर अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अफवाहों पर सफाई दे चुकी हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि शादी के बाद अचानक उनके मां बनने की खबरें सामने आना उनके लिए भी हैरान करने वाला था और फिलहाल ऐसी कोई बात नहीं है। बता दें, अविका और मिलिंद की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है। दोनों की मुलाकात साल 2020 में हैदराबाद में कुछ कॉमन दोस्तों के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती गहरी हुई और फिर यह रिश्ता प्यार में बदल गया। कपल ने जून 2025 में अपनी सगाई की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। इसके बाद 30 सितंबर 2025 को दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद से ही दोनों अक्सर साथ में नजर आते हैं और सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और खास पलों की झलकियां भी शेयर करते रहते हैं।

युवक को घेर कर बांका मारा, हालत गंभीर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मामूली कहासुनी में एक युवक पर बांके से ताबड़तोड़ वार किए गए। इससे उसके गर्दन पर गहरी चोटें लगी हैं। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को बचाया। मौके से आरोपी फरार हो गया। घायल युवक के परिजनों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल युवक को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार शाम करीब 5 बजे जानकीपुरम थाना क्षेत्र के गुड़ियनपुरवा में हुई। घायल युवक सोनू शाम के वक्त अपने घर के पास मौजूद था। उसी समय पड़ोसी युवक से कुछ कहासुनी हुई। इसी में बात बढ़ने पर पड़ोसी युवक ने बांके से सोनू पर हमला कर दिया। वह लगातार बांके से वार करता रहा, जिसमें सोनू पूरी तरह लहूलुहान हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को छुड़ाया। मौके से आरोपी युवक फरार हो गया। सोनू के परिजनों ने घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सोनू खाना बनाने का काम करता है। सोनू के पिता ने बताया कि शाम करीब पांच बजे सोनू अपने घर के पास होलिका के पास खड़ा था। इसी दौरान, पास के रहने वाले चार-पांच लोगों ने उसे अपने घर में ले जाकर बांके से हमला कर लहूलुहान कर दिया। घायल की बहन रिया ने बताया की पहले लड़ाई हुई थी। उसके बाद सुलह हो गया था। फिर कुछ देर बाद सभी लोग दोबारा मारने के प्लान से आए।

किम जोंग उन का दावा

परमाणु ताकत से लैस होगी उत्तर कोरिया की नौसेना; नए युद्धपोत का किया निरीक्षण

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने नए युद्धपोत का निरीक्षण किया और मिसाइल परीक्षण देखे। उन्होंने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने का संकल्प लिया है। किम ने हर साल दो नए युद्धपोत बनाने का लक्ष्य रखा है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने लगातार दो दिनों तक नए युद्धपोत (डिस्ट्रॉयर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने युद्धपोत से दागी गई क्रूज मिसाइलों का परीक्षण भी देखा। किम ने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से और अधिक मजबूत करने का वादा किया है। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इस दौरे की जानकारी दी। किम जोंग उन ने मंगलवार और बुधवार को नम्पो के पश्चिमी शिपयार्ड का दौरा किया। वहां उन्होंने 5,000 टन के युद्धपोत 'चोन' जैसी श्रेणी के तीसरे जहाज के निर्माण कार्य का जायजा लिया। किम ने कहा कि 'चोन' का विकास उनकी सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। यह जहाज परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहाज को बनाने में रूस ने मदद की है। हालांकि, कुछ लोग इसकी कार्यक्षमता पर संदेह भी जता रहे हैं। पिछले साल मई में इसी श्रेणी का दूसरा जहाज लॉन्चिंग के दौरान खराब हो गया था। इस नाकामी पर किम जोंग उन ने बहुत गुस्सा जाहिर किया था। उन्होंने इसे एक अपराध बताया था। उस जहाज का नाम 'कांग कोन' था, जिसे मरम्मत के बाद जून में फिर से लॉन्च किया गया। किम ने अब लक्ष्य रखा है कि अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाए जाएंगे। उनका पूरा ध्यान अब नौसेना की क्षमता बढ़ाने पर है। इसमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाना भी शामिल है। नम्पो शिपयार्ड में बन रहा तीसरा युद्धपोत अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। किम जोंग उन ने दावा किया कि नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने की कोशिशों में अच्छी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव समुद्री सीमाओं की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया एक नई समुद्री सीमा घोषित करने की तैयारी में है।

सीआईडी ने तेज की मामले की जांच, वीएसआर कंपनी के अधिकारियों से की पूछताछ

पुणे (एजेंसी)। पुणे के बारामती में हुए विमान हादसे में अजित पावर की मौत के मामले में महाराष्ट्र सीआईडी ने विमान कंपनी के अधिकारियों से पूछताछ की है। जांच एजेंसियां यह पता लगाना का प्रयास कर रही हैं कि यह दुर्घटना तकनीकी खामी, लापरवाही या किसी साजिश का परिणाम थी। महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने गुरुवार को वीएसआर वेंचर्स के बड़े अधिकारियों से पूछताछ की। इसी कंपनी का विमान बारामती में हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। सीआईडी के एक अधिकारी ने इस कार्रवाई की जानकारी दी है। हालांकि, जांच अभी चल रही है, इसलिए उन्होंने ज्यादा विवरण नहीं दिया। क्या है मामला? 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती एयर स्ट्रिप के पास वीएसआर वेंचर्स का

'लियरजेट 45' विमान क्रैश हो गया था। इस दुखद घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद बारामती तालुका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था। बाद में इस केस की जांच पुणे सीआईडी को सौंप दी गई। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि क्या इस हादसे के पीछे कोई साजिश थी या यह आपराधिक लापरवाही का मामला है। सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी ने इस संबंध में कंपनी को कुछ सवालों की सूची भी भेजी थी। अब इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने बुधवार को आरोप लगाया कि कोई वीएसआर वेंचर्स को बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरूआती रिपोर्ट ने उनके शक को सही साबित किया है। एएआईबी की रिपोर्ट में क्या? एएआईबी की 22 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया है कि हादसे के समय दृश्यता (विजिबिलिटी) बहुत कम थी।

हिंद महासागर में अमेरिका ने डुबोया ईरानी युद्धपोत

बढ़ता टकराव भारत के लिए चिंताजनक कैसे ?

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने खाड़ी देशों के साथ दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब इसका असर भारत पर कैसे पड़ने वाला है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है, क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से ध्वस्त कर दिया। ईरान के इस युद्धपोत का तार भारत के साथ कैसे जुड़ा है और यह घटना भारत के सामरिक और समुद्री हितों को खतरे में कैसे डाल सकती है? आइए यहां समझते हैं। दुनिया की राजनीति अब अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर किए गए हमले और फिर ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई ने खाड़ी देशों

के साथ-साथ दुनियाभर की राजनीति में चिंता पैदा कर दी है। इस आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इस युद्ध की आग से उठे लपेटें ने सिर्फ पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और अब भारतीय महासागर के पानी में भी उबाल आ गया है। तनाव इतना बढ़ चुका है कि एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति ने टॉरपीडो तक चलाकर अपनी ताकत दिखा दी, जिससे भारत में चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया? पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी पनडुब्बी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय जल में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाया और ध्वस्त कर दिया। इस हमले से जहाज का मुख्य ढांचा टूट गया, जिससे बचाव दल को कोई जहाज नहीं मिला। गौर करने वाली बात यह है कि यह अमेरिका की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली टॉरपीडो से युद्धपोत पर किया गया हमला है। भारत से कैसे है संबंध? इस बात को ऐसे समझिए कि जब ईरान के युद्धपोत पर अमेरिका का यह हमला हुआ, उस समय आईआरआईएस देना भारत में आंध्र प्रदेश के विशाखपटनम के विजाग से लौट रही थी, जहां उसने मिलान अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास और बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक रिव्यू में हिस्सा लिया था। हमला श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अंतरराष्ट्रीय जल में हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज पर लगभग 87 लोग मारे गए जबकि श्रीलंका की नौसेना ने लगभग 30 नाविकों को बचाया और उन्हें गाले, श्रीलंका के अस्पताल में भर्ती कराया। इस हमले से कैसे बढ़ी चिंता, ये भी समझिए बता दें कि यह हमला दशार्ता है कि अमेरिकी नौसेना अब भारतीय महासागर में भारी उपस्थिति बनाए हुए है। इस क्षेत्र में अमेरिका की पांचवीं फ्लेट, जो बहरीन में मुख्यालय रखती है, सबसे सक्रिय है। इसमें नाभिकीय पनडुब्बियां और बड़े युद्धपोत शामिल होते हैं। ऐसे में इस घटना ने भारत की सुरक्षा चिंता को बढ़ा दिया है। मामले में पूर्व नौसेना प्रमुख अधिरामन प्रकाश ने कहा कि यह दिखाता है कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध अब भारत के दरवाजे तक आ गया है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए स्वतंत्र और समझदारी से कदम उठाने होंगे। भारतीय जलक्षेत्र में नहीं हुआ हमला हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि यह हमला भारतीय जलक्षेत्र में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय जल में हुआ, जिससे भारत और अमेरिका के बीच कोई कूटनीतिक विवाद नहीं हुआ।

युद्ध की छाया में भी अमेरिकी शेयर बाजार ने दिखाई ताकत, इतने फीसदी मजबूत हुआ एसएंडपी 500

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान-युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों के बीच अमेरिकी शेयर बाजार ने राहत दी। एसएंडपी 500 1%, डॉव जोन्स 319 अंक और नैस्डैक 1.5% ऊपर, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 12.1% गिरा। तेल की कीमतें स्थिर हुईं, ब्रेंट 81.40 और अमेरिकी क्रूड 74.66 डॉलर पर। दुनियाभर की अर्थव्यवस्था युद्ध की छाया में थम सी गई थी, लेकिन अमेरिकी शेयर बाजार ने बुधवार को एक मजबूत वापसी दिखाकर निवेशकों को राहत दी। दो दिन की हड़कंप जैसी गिरावट के बाद एसएंडपी 500 इंडेक्स 1% बढ़ा और युद्ध के बाद हुए नुकसान को लगभग खत्म कर दिया। वहीं डॉव जोन्स औसत

319 अंक ऊपर गया, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1.5% मजबूत हुआ। शुरूआत में दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 12.1% गिर गया, जो उसकी इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट थी। बता दें कि बाजार में अनिश्चितता का मुख्य कारण ईरान के साथ अमेरिका और इस्राइल का जारी युद्ध और फिर तेल की बढ़ती कीमतें रही। हालांकि बुधवाह को तेल की कीमतें भी स्थिर हुईं। ब्रेंट क्रूड का भाव 84 डॉलर से घटकर 81.40 डॉलर प्रति बैरल हो गया और अमेरिकी क्रूड का भाव 74.66 डॉलर पर रहा। बाजार को मिला अमेरिकी अर्थव्यवस्था से आए अच्छे संकेत का साथ देखा जाए तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था से आए अच्छे संकेतों ने भी बाजार को सहारा दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि रियल एस्टेट, वित्त और अन्य सेवाओं में व्यापार की वृद्धि पिछले साल की तुलना में सबसे तेज गति से हुई। साथ ही कीमतों में बढ़ोतरी भी धीरे-धीरे हो रही थी, जो महंगाई के लिए सकारात्मक संकेत है।

आम चुनाव के लिए मतदान , मतदाताओं से चुनाव आयोग बोला- निर्भीक होकर डाले वोट

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में जेन-जी विद्रोह के बाद पहली बार गुरुवार को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। 275 सीटों के लिए मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। 165 सीटें सीधे चुनाव और 110 सीटें समानुपातिक प्रणाली से भरी जाएंगी। चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और नेपाल की राजनीतिक स्थिरता के लिए अहम माना जा रहा है। नेपाल में जेन-जी विद्रोह के बाद पहली बार संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। गुरुवार को पूरे देश में मतदान कराया जाएगा। कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने मतदाताओं से बिना किसी डर के मतदान करने की अपील की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए लोगों का मतदान में हिस्सा लेना जरूरी है। इस चुनाव को नेपाल की राजनीतिक स्थिरता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अहम माना जा रहा है। नेपाल की संघीय संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की 275 सीटों के लिए मतदान होगा। इनमें से 165 सीटों पर फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट प्रणाली के तहत सीधे चुनाव होगा, जबकि 110 सीटें समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के जरिए भरी जाएंगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक कराया जाएगा। आयोग का कहना है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जेन-जी विद्रोह के बाद पहली बड़ी लोकतांत्रिक परीक्षा नेपाल में यह चुनाव पिछले साल हुए जेन-जी विद्रोह के बाद हो रहा है। सितंबर में हुए इस आंदोलन के दौरान व्यापक हिंसा देखने को मिली थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस दौरान 77 लोगों की मौत हुई थी और लगभग 84 अरब नेपाली रुपए की निजी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। इस घटना के बाद देश की राजनीतिक दिशा को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई थी।

महाराष्ट्र में परिवहन क्षेत्र में अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में ट्रांसपोर्टरों ने ई-चालान प्रणाली और बढ़ते कर-टोल के विरोध में गुरुवार से अनिश्चितकालीन राज्यव्यापी चक्का जाम का एलान किया है। महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट एक्शन कमेटी के अनुसार सरकार से बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। महाराष्ट्र में परिवहन क्षेत्र से जुड़े हजारों ट्रांसपोर्टरों ने राज्यव्यापी चक्का जाम का एलान किया है। यह विरोध प्रदर्शन गुरुवार से शुरू होकर अनिश्चितकालीन तक चलेगा। ट्रांसपोर्टरों का विरोध ई-चालान प्रणाली और क्षेत्र द्वारा सामना किए जा रहे अन्य मुद्दों के खिलाफ है। क्यों हो रहा विरोध? महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट एक्शन कमेटी (एम-टीएसी) के प्रतिनिधियों के अनुसार, बुधवार शाम को महाराष्ट्र परिवहन आयुक्त कार्यालय में हुई बातचीत के अंतिम दौर के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल पाया। इसके बाद हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया। एम-टीएसी का कहना है कि यह आंदोलन मनमाने और अत्यधिक इलेक्ट्रॉनिक यातायात प्रवर्तन और परिवहन क्षेत्र पर बढ़ते वित्तीय बोझ के खिलाफ है। ट्रांसपोर्टरों की क्या मांगें? ट्रांसपोर्टरों की मांगों में ई-चालान प्रणाली में प्रमुख सुधार, लंबित जुमार्ना माफ करना और वाणिज्यिक वाहनों पर लगाए गए करों और टोल शुल्कों में कमी शामिल है। एम-टीएसी नेताओं का दावा है कि ई-

चालान प्रणाली ने न केवल परिवहन संचालकों बल्कि आम वाहन मालिकों को भी कठिनाई में डाला है। कैसे होगा हड़ताल? एम-टीएसी के प्रतिनिधियों के अनुसार, ट्रांसपोर्टर मुंबई के आजाद मैदान और राज्य के अन्य हिस्सों में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे, जिसके बाद आधी रात से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो जाएगी। इस हड़ताल के कारण स्कूल बसें, अनुबंध वाहक बसें, निजी बसें और ट्रक, टेम्पो, टैक्सी और टैंकर जैसे वाणिज्यिक वाहन सड़कों से नदारद रहेंगे। ट्रांसपोर्टरों ने अपने वाहनों को विरोध स्थलों पर लाने की भी धमकी दी है। स्कूल बस मालिकों के संघ के एक लीडर अनिल गर्ग बताया कि अगर अनिश्चितकालीन हड़ताल होती है, तो शुक्रवार से राज्य भर की स्कूल बसें संचालित नहीं होंगी, हालांकि गुरुवार को उनकी सेवाएं सामान्य रहेंगी। सरकार और ट्रांसपोर्टरों के बीच हुई थी बैठक महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस सप्ताह की शुरूआत में ट्रांसपोर्टरों के साथ एक बैठक की थी, लेकिन एम-टीएसी ने सरकार से खोखले आश्वासनों के कारण बातचीत को निष्फल बताया। सरनाइक ने ट्रांसपोर्टरों से आंदोलन वापस लेने की अपील करते हुए कहा था कि सरकार अनुचित ई-चालान रद्द करने पर सकारात्मक है और इस मामले में अनुकूल निर्णय लेगी। एम-टीएमसी की प्रमुख मांग क्या है? एम-टीएसी ने सरकार से नियमों में प्रस्तावित संशोधन को वापस लेने या उसमें ढील देने की मांग की है। इसके तहत ट्रांसपोर्टरों को 45 दिनों के भीतर ई-चालान का जुमार्ना चुकाना होगा। ऐसा न करने पर उन्हें परमिट नवीनीकरण, फिटनेस प्रमाणन और अन्य नियामक मंजूरियों से संबंधित विभिन्न प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। चेक पोस्ट बंद करने और ड्राइवरों के लिए विश्राम गृह स्थापित करने की मांग इसके अलावा, एम-टीएसी ने राजमार्ग चेक पोस्ट बंद करने और ड्राइवरों के लिए विश्राम गृह या केंद्र स्थापित करने की मांग की है।

ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई को अंतिम विदाई, ईरान की इस्राइल को परमाणु केंद्र पर हमले की धमकी

तेहरान (एजेंसी)। पश्चिम एशिया मे जारी जंग के बीच अमेरिका-इस्राइल हमले में मारे गए अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम विदाई की तैयारी तेहरान में चल रही है। इस बीच ईरान ने इस्राइल के परमाणु केंद्र को निशाना बनाने की धमकी दी है। वहीं, आईआरजीसी ने मिसाइल हमलों से इस्राइल के रडार सिस्टम को तबाह करने और एयरपोर्ट पर हमले का दावा किया है। अमेरिका-इस्राइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के निधन के बाद देश में शोक की लहर दौड़ गई है। सरकारी मीडिया ने जानकारी दी है कि मरहूम अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के शव को तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में रखने की तैयारी चल रही है। ग्रैंड मोसल्ला एक बड़ा प्रार्थना स्थल है, जिसका इस्तेमाल शहर के सबसे खास सरकारी और धार्मिक आयोजनों के लिए होता है। यह मरहूम सुप्रीम लीडर के लिए आयोजित तीन दिन के विदाई समारोह का हिस्सा है। मोसल्ला में हजारों शोक मनाने वालों के इकट्ठा होने की उम्मीद है। इस विदाई

समारोह के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ईरान ने दी धमकी इस बीच, ईरान ने गुरुवार को इस्राइल की डिमोना परमाणु स्थल को निशाना बनाने की धमकी दी है। ईरान ने कहा कि अगर इस्राइल और अमेरिका ने उसकी सरकार को गिराने की कोशिश की, तो वह इस परमाणु केंद्र को निशाना बनाएंगे। यह धमकी इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के बयान के बाद आई है। काट्ज ने कहा था कि ईरान की सरकार जो भी नया नेता लाएगी, वह इस्राइल के लिए एक टारगेट होगा। ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों किया हमला इधर, इस्राइल की सेना ने बताया कि ईरान ने एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। इसके कारण यरुशलम, सेंट्रल इस्राइल और वेस्ट बैंक के कुछ हिस्सों में खतरे के सायरन बजने लगे।

ईरानी जासूसों के दबाव में ट्रंप-बाइडन की हत्या की साजिश रची थी

लेकिन पकड़ा गया

ब्रुकलिन (एजेंसी)। अमेरिका की एक अदालत में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। एक पाकिस्तानी नागरिक ने गवाही देते हुए बताया है कि ईरानी खुफिया अधिकारियों ने उसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की हत्या की साजिश रचने के लिए मजबूर किया था। अमेरिकी राजनीतिक हस्तियों की हत्या की साजिश रचने के आरोपी पाकिस्तानी नागरिक ने बड़ा खुलासा किया है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक उसने अमेरिकी अदालत को बताया कि ईरानी जासूसों ने उसे ट्रंप और बाइडन की हत्या की साजिश रचने के लिए मजबूर किया था। आसिफ मर्चेंट पर ईरान के साथ मिलकर शीर्ष अमेरिकी राजनेताओं की हत्या की साजिश रचने का मुकदमा शुरू हुआ है। परिवार की रक्षा के लिए साजिश में शामिल 47 वर्षीय आसिफ मर्चेंट ने बुधवार को अदालत में अपना पक्ष रखते हुए दावा किया कि अपने परिवार की रक्षा के लिए उन पर इस साजिश में शामिल होने का दबाव डाला गया था। ब्रुकलिन की एक

संघीय अदालत में गवाही के दौरान आतंकवाद और सुपारी लेकर हत्या करने के आरोपी आसिफ मर्चेंट ने कहा कि उसे यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। आरोपी ने दावा किया कि तेहरान में रह रहे अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए उसे मजबूरी में इस साजिश का हिस्सा बनना पड़ा। पूर्व बैंकर आसिफ मर्चेंट पर आरोप है कि उसने दो एफबीआई एजेंटों को, जो हत्यारे के भेष में थे 5000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया था। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार मर्चेंट ने दावा किया कि अप्रैल 2024 में एक ईरानी हैंडलर ने उसे अमेरिका आकर 'किसी की हत्या करने' का निर्देश दिया था। हालांकि हैंडलर ने शुरू में किसी एक व्यक्ति का नाम नहीं लिया था, मर्चेंट ने गवाही दी कि उसे तीन लोगों के नाम बताए गए थे। उसने कहा, 'उन्होंने मुझे ठीक से नहीं बताया कि वह कौन है, लेकिन उन्होंने मुझे तीन लोगों के नाम बताएः डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन और निक्की हेली। उस समय ट्रंप और बाइडेन 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के प्रमुख उम्मीदवार थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।